पटना ● शुक्रवार, 13 सितम्बर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः244 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य प्रगति ... 3 | www. bordernewsmirror.com | युधा से सिद्धांत चतुर्वेदी... 8

समंदर में गूंजेगी भारत की दहाड़, दुश्मनों की उड़ेगी नींद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपनी सैन्य क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए लगातार नए कदम उठा रहा है। इसी सिलसिले में रक्षा मंत्रालय ने हाल ही में भारतीय नौसेना के लिए 100 टन वजनी मानवरहित पनडुब्बी जैसी पानी के नीचे काम करने वाली जहाजों के निर्माण के

● रक्षा मंत्रालय ने दी अनोखे जहाजों के लिए 2500 करोड़ की मंजूरी

प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट 2,500 करोड़ रुपये से अधिक का होगा और इसका मुख्य उद्देश्य दुश्मन की पनडुब्बियों और सतह पर चलने वाले जहाजों पर हमला करने की क्षमता विकसित करना है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, यह परियोजना उच्च स्तरीय बैठक में स्वीकृत की गई है और इसका निर्माण

भारतीय शिपयार्ड्स द्वारा किया जाएगा, जिससे आत्मनिर्भर भारत के तहत नौसेना को नई तकनीक मिलेगी। इन मानवरहित जहाजों का वजन 100 टन से अधिक होगा और यह दुश्मन की पनडुब्बियों के खिलाफ सटीक हमले करने की क्षमता से लैस होंगे। इसके अलावा, यह जहाज समुद्री निगरानी, बारूदी सुरंग बिछाने और हटाने, और हथियार लॉन्च करने जैसे कई महत्वपूर्ण कार्यों में भी सक्षम होंगे। पूर्व नौसेना उप प्रमुख, वाइस एडमिरल एसएन घोरमाडे ने कहा कि यह नई तकनीक नौसेना को पानी के नीचे के युद्ध में एक महत्वपूर्ण बढ़त दिलाएगी।

इसके जरिए नौसेना दूरस्थ इलाकों में लंबे समय तक समुद्र के भीतर रहकर संदिग्ध जहाजों की निगरानी कर सकेगी और देश के हितों की सुरक्षा कर सकेगी। भारतीय नौसेना अपने भविष्य के युद्ध के लिए खुद को तैयार करने में लगी है और इस दिशा में मानवरहित जहाजों की क्षमता को बढ़ावा दे रही है। नौसेना पहले से ही लंबी दूरी की निगरानी करने वाले ड्रोन जैसे एमक्यू-9बी और दृष्टि हेमीज 900 का उपयोग कर रही है, जो भारतीय सैन्य बलों की ताकत को और बढ़ाने में मदद करेंगे। इस परियोजना पर काम जल्द ही शुरू होगा और आने वाले महीनों में इसके लिए टेंडर जारी किया जाएगा।

चुनाव से पहले कश्मीर को फिर दहलाने की थी साजिश

एलओसी के पास से हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त

कुपवाड़ा (एजेंसी)। सुरक्षाबलों ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास कुपवाड़ा के केरन सेक्टर के एक जंगल हथियारों का बड़ा जखीरा जब्त किया है। सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भी भंडाफोड़ किया है और हथियारों और गोला-बारूद का बरामद किए हैं। सूत्रों के मुताबिक इन गोला-बारूद का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले डर और दहशत पैदा करना था। इससे पहले खास खुफिया सूचनाओं के आधार पर केरन सेक्टर में भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। इंडिया टीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक यह खुफिया जानकारी श्रीनगर में तैनात विशेष चुनाव पर्यवेक्षक और खुफिया टीमों ने दी थी जिसके बाद तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी दल को एक पेड़ के पास 10 फीट की एक बड़ी गुफा मिली जहां आतंकवादियों ने हथियार, गोला-बारूद और हथियार जमा किए थे।

हालात बेहद खराब, एमपी के 6 जिलों में बाढ़

बाढ़ और बारिश से घिरे एमपी और यूपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बने स्ट्रॉन्ग सिस्टम के चलते मध्य और उत्तर भारत में बुधवार को भारी बारिश हुई। कई शहरों में बाढ़ है तो कई जिलों का सड़क संपर्क टूट गया है। नदियों

● दतिया में 7 लोगों की मौत, स्कूलों में की छुट्टी

● राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 'जल' जला, घिरे

के किनारे बसे गांवों से लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ा है। मध्य प्रदेश के 28 जिलों में बुधवार को तेज बरसात हुई। ग्वालियर में 24 घंटे में 8 इंच और

भोपाल में ढाई इंच बरसात हुई। दतिया में 400 साल पुराने किले की दीवार गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। भोपाल में 5वीं, राजगढ़, सागर, गुना, शिवपुरी, मुरैना और भिंड में 8वीं तक स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान में सुजान गंगा नदी ओवरफ्लो होने से कोटा और भरतपुर में बाढ़ के हालात बन गए हैं। गुरुवार को जयपुर, अजमेर, उदयपुर समेत 7 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। अजमेर, धौलपुर सवाई माधोपुर जिले में गुरुवार को स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। छत्तीसगढ़ के सुकमा-बीजापुर से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश का संपर्क कटा हुआ है। राजनांदगांव में शिवनाथ नदी का पानी 11 गांवों में घुस गया है। यहां 30 साल बाद बाढ़ आई है। राजनांदगांव, खैरागढ़ में सैकड़ों लोगों को राहत कैंपों में शिफ्ट किया गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ-झांसी समेत यूपी के 10 जिलों में बारिश जारी है। झांसी-जालौन में 36 घंटे से जारी बारिश की वजह से घरों में पानी भर गया। एटा, झांसी, ललितपुर, आगरा, कन्नौज, इटावा, जालौन और हाथरस में 12वीं तक के स्कूलों में गुरुवार को छुट्टी कर दी गई है। मौसम विभाग ने गुरुवार को 12 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश के 8 जिलों में रेड अलर्ट है।

मस्जिद का अवैध हिस्सा खुद गिराने को राजी हुए मुस्लिम

शिमला (एजेंसी)। शिमला मस्जिद विवाद मामले में नया मोड़ आ गया है। मुस्लिम पक्ष विवादित मस्जिद का अवैध हिस्सा तोड़ने को राजी हो गया है। मुस्लिम पैनल ने नगर निगम से अवैध हिस्से को सील करने को कहा है। पैनल ने कहा कि वह

● शिमला मस्जिद विवाद में नया मोड़, बुलडोजर ऐक्शन पर अड़े थे हिंदू

खुद ही उस हिस्से को गिरा देगा। मस्जिद समिति के प्रतिनिधियों ने गुरुवार को शिमला नगर निगम आयुक्त भूपेंद्र कुमार अत्री को इस बारे में एक ज्ञापन सौंप दिया। साथ ही नगर निगम से संजौली में इमारत के अनधिकृत हिस्से को सील करने की गुजारिश की। मुस्लिम पक्ष ने यह भी कहा कि वे खुद उस हिस्से को गिरा देंगे। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है जब स्थानीय लोग शिमला के संजौली इलाके में

बनी मस्जिद के अवैध हिस्से को गिराने की मांग कर रहे हैं। इस मामले को लेकर बुधवार को काफी हंगामा देखा गया था। जय श्री राम और हिंदू एकता जिंदाबाद के नारे लगाते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने जमा होकर प्रशासन की चेतावनियों और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए संजौली बाजार की ओर कूच किया था। आखिरकार बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों की भीड़ इलाके में पहुंची थी। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की ओर से लगाए बैरिकेड तोड़ दिए थे और पथराव किया था। वहीं पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पानी की बौछारें और लाठीचार्ज किया था। इस घटना में पुलिस और महिलाओं समेत करीब 10 लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन पर काबू पाने के लिए हिंदू जागरण मंच के सचिव कमल गौतम सहित कुछ प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया था।

प्रदर्शन इतना उग्र था कि झड़प के कारण संजौली, ढली और आस-पास के इलाकों के छात्र स्कूलों में ही काफी देर तक फंसे रह गए थे। प्रदर्शन की जानकारी होने के बावजूद स्कूलों को बंद रखने का आदेश नहीं जारी करने पर स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर गुस्सा भी जाहिर किया था। हिमाचल प्रदेश के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा था कि उन्होंने इस मसले पर पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी प्रभारी राजीव शुक्ला से बात की है। दोनों नेता कानून व्यवस्था कायम बिगड़ने ना पाए इसको लेकर चिंतित हैं। सूबे की सरकार भी इसको लेकर गंभीर है। राज्य सरकार सभी घटनाक्रमों पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

वरिष्ठ सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी का निधन

निमोनिया की वजह से दिल्ली एम्स में थे भर्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी का 72 साल की उम्र में निधन हो गया। निमोनिया की शिकायत होने के

बाद उन्हें 19 अगस्त को एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। 25 दिन से उनका इलाज चल रहा था। परिवार ने अस्पताल को सीपीएम नेता की बॉडी डोनेट की है। वे तीन बार पार्टी के महासचिव रहे थे। वहीं, सीपीएम की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि 'कॉमरेड सीताराम येचुरी को सांस की नली में गंभीर संक्रमण हुआ था। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी। सीताराम येचुरी अपने पीछे पत्नी सीमा चिश्ती येचुरी और बच्चों अखिला और आशीष येचुरी को छोड़ गए हैं।

सरकार के 100 दिन पूरे होने पर आक्रामक हुए खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर तीखा हमला किया है। कांग्रेस ने कहा

● सरकार को घेरा, पीएम मोदी से पूछा- उन वादों का क्या हुआ

है कि वह अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 95 दिनों में अपने 100 दिनों के एजेंडे के वादों को पूरा करने में पूरी तरह फेल रहे हैं। पार्टी ने सात प्रमुख

क्षेत्रों का जिक्र करते हुए दावा किया कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर आर्थिक मुद्दों और शासन संबंधी खामियों से निपटने में हर क्षेत्र में नाकामयाब रही है। गौरतलब है कि 17 सितंबर को सरकार के 100 दिन पूरे हो जाएंगे। इसी दिन पीएम मोदी का 74वां जन्मदिन भी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बीते दिनों जम्मू और कश्मीर में खास तौर से जम्मू में आतंकवादी हमले हुए हैं जहां भारतीय सेना के कई बहादुर सैनिक शहीद हुए।

'एक्सप्रेसवे, पुल, सड़कें, सुरंगें, जो बनवाया टूट गया'

खड़गे ने कहा, महाराष्ट्र में पूज्य छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा हो, हवाई अड्डों की छत हो, नई संसद हो या अयोध्या में भगवान राम का मंदिर हो, एक्सप्रेसवे, पुल, सड़कें, सुरंगें हों आपने जो भी बनाने का दावा किया है उन सभी में खामियां हैं। उन्होंने आगे सरकार पर रेलवे सुरक्षा को खतरे में डालने और बाढ़ से प्रभावित राज्यों को पर्याप्त राहत प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया।

'तख्तापलट कराने में माहिर' रहे अमरीकी राजनयिक से मिले राहुल

● यूएस बोला-सामान्य बातचीत, भारत में भूचाल के बन रहे आसार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों अमेरिका के दौरे पर हैं और वहां लगातार कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं तो कुछ लोगों से मुलाकात भी कर रहे हैं। इस दौरान उनकी कुछ मुलाकातें विवादों का सबब भी बनी हैं। इनमें से ही एक मुलाकात जम्मू-कश्मीर और पंजाब को भारत से अलग करने की हिमायती सांसद इल्हान उमर से भी रही है, जिस पर जमकर विवाद हुआ। अब उनकी एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक से मुलाकात चर्चा में है, जिन्हें तख्तापलट कराने का माहिर माना जाता है। उनकी अमेरिकी विदेश मंत्रालय में तैनात दक्षिण एवं मध्य एशिया मामलों को देखने वाले राजनयिक डोनाल्ड लू से मीटिंग हुई है।

भाजपा बोली-अब तो खुलकर भारत के खिलाफ आई कांग्रेस

हालांकि इन मुलाकातों का भी कोई वीडियो कांग्रेस की ओर से जारी नहीं किया गया। राहुल गांधी की मुलाकात इल्हान उमर से भी हुई थी, जो भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित हैं। इल्हान उमर ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का भी दौरा किया था, जबकि भारत ने इस पर ऐतराज जताया था। यही नहीं इल्हान उमर की राय रही है कि कश्मीर को अलग हो जाना चाहिए। भाजपा आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय ने इल्हान उमर से राहुल की मुलाकात पर कहा कि राहुल गांधी ने अमेरिका में पाक स्पॉन्सर भारत विरोधी नेता, कट्टर इस्लामिक और आजाद कश्मीर की वकालत करने वाली इल्हान उमर से मुलाकात की है।

बच्चों की शिक्षा के लिए मदरसा सही जगह नहीं

● इस्लाम को बताता है सर्वोच्च, बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने एससी को बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में मदरसों को लेकर एक मामले की सुनवाई हो रही है। इस दौरान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मदरसों में दी जाने वाली शिक्षा व्यापक नहीं है। यह शिक्षा के अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के विरुद्ध है। एनसीपीआर ने कहा कि मदरसों में जो पढ़ाई होती है उसमें इस्लाम को ही सर्वोच्च बताया जाता है। एनसीपीसीआर ने यह भी दावा किया कि तालिबान उत्तर प्रदेश के दारुल उलूम देवबंद मदरसा की धार्मिक और राजनीतिक विचारधाराओं से प्रभावित है। अदालत को लिखित रूप से यह दलील दी है। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है।

अयोध्या में जमीनों की लूट, यूपी बनी फर्जी एनकाउंटर की राजधानी

लखनऊ (एजेंसी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। अखिलेश ने कहा कि अयोध्या में जमीनों की लूट मची है। अयोध्या को लेकर हम पहले भी मुद्दे उठाए। सरकार के अधिकारी और भाजपा के

● अखिलेश का बीजेपी पर बड़ा आरोप, मंगेश यादव एनकाउंटर पर घेरा

लोग लूट में लग गए है, जहां लूट होगी वहां विकास नहीं होगा। हमारे अयोध्या के नेताओं ने लूट का काला चिट्ठा खोला, अब सोचिए पूरे प्रदेश में कितनी लूट हो रही होगी। अयोध्या के किसानों की मांग थी सर्किल रेट बढ़ाया जाय, इन्होंने किसानों से सस्ते दामो में जमीनें ले ली, अब सर्किल रेट बढ़ा दी गई। वहीं मंगेश एनकाउंटर पर कहा कि सरकार ने यूपी को फर्जी एनकाउंटर की राजधानी बना दी। उन्होंने कहा कि सरकार के नेताओं और अधिकारियों की सूची और रजिस्ट्रियां हमारे पास हैं, इन्होंने सेना की जमीन पर कब्जा कर लिया, जिस डिफेंस की ओर कोई नहीं देखता, उस जमीनों को इन्होंने बेंच दिया। अपनी सुविधा के लिए रेलवे अलाइनमेंट बदल दिया, अपनी हार की खीज में इन्होंने रेलवे अलाइनमेंट बदल दी। जिन्होंने करप्शन पे ज़ीरो टॉलरेंस का नारा दिया था, वो कहां हैं, अयोध्या में लूट का अड्डा बना दिया। समाजवादी पार्टी गरीबों के साथ हैं। अयोध्या एक वर्ल्ड क्लास सिटी बने, इसके लिए दिमाग होनी चाहिए, 2 साल बाद जब समाजवादी सरकार आएगी तो उन्हें सर्किल रेट बढ़ाकर मुआवजा दिया जाएगा।

इंदौर में आर्मी अफसरों से मारपीट, दोस्त से गैंगरेप

● बंधक बनाकर 10 लाख मांगे, लड़की को झाड़ियों में ले गए, 6 आरोपी थे, 2 गिरफ्तार

इंदौर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के इंदौर में सेना के 2 ट्रेनी अफसरों और उनकी दोस्त से मारपीट करने, बंधक बनाने और गैंगरेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि घटना 10 सितंबर रात करीब ढाई बजे की है, जब अफसर इंदौर के जामगेट घूमने गए थे। पुलिस ने गुरुवार को कहा कि सभी 6 आरोपियों की पहचान हो चुकी है और 2 को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपियों ने अफसरों से 10 लाख रुपए भी मांगे। अफसर की दोस्त को दूर झाड़ियों में ले गए। पीड़ित अफसर ने गैंगरेप की आशंका जाहिर की है। पुलिस ने गैंगरेप, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट में केस दर्ज कर लिया है। एसपी ग्रामीण हितिका वासल ने कहा, अस्पताल में भर्ती विक्टिम के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं।

52 साल पुरानी पार्टी मासस का भाकपा माले में विलय

झारखंड के 5 और बिहार के 3 जिलों में पड़ेगा असर, इंडिया एलांयस की बढ़ेगी ताकत

पटना, एजेंसी। 52 साल पुरानी पार्टी मार्क्सवादी समन्वय समिति (मासस) का विलय भाकपा माले में हो गया। इसके लिए झारखंड के धनबाद में 9 सितंबर को बड़ी रैली आयोजित की गई थी। झारखंड में विधानसभा का चुनाव इसी साल होना है, जबकि बिहार में 2025 में है। मासस के विलय के बाद माना जा रहा है कि बिहार-झारखंड में होने वाले विधानसभा चुनाव पर इसका असर पड़ेगा। खासकर, झारखंड के धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, गिरिडीह, रामगढ़ जिले में इसका बड़ा असर देखने को मिल सकता हैं। फिलहाल बगोदर से माले के विनोद सिंह विधायक हैं। वहीं, बिहार में माले के 12 विधायक हैं। बिहार माले के वरिष्ठ नेता केडी यादव ने बताया कि इस विलय का असर झारखंड की राजनीति पर तो पड़ेगा। इसके साथ ही बिहार के नवादा, नालंदा, गया में भी प्रभाव देखने को मिलेगा।

माले के सीनियर नेता केडी यादव ने कहा- वामपंथ की एकता बढ़ेगी

माले के सीनियर नेता केडी यादव ने कहा कि इस ऐतिहासिक घटना का बड़ा असर होगा और वामपंथ की एकता बढ़ेगी। पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि काफी विरोधाभास के बाद 52 साल पहले मासस बना था। एके राय ट्रेड यूनियन के बड़े नेता थे। 29 अप्रैल 1972 में जब उन्होंने मार्क्सवादी कॉर्डिनेशन कमेटी बनाई थी, तब कहा था कि इसे पार्टी के रूप में नहीं रखना है। हालांकि, राजनीतिक पार्टी के तौर पर मासस काम करने लगी थी।

तीन बार सांसद रहे मासस के फाउंडर एके राय

मासस से एके राय तीन बार लोकसभा का चुनाव जीतकर सांसद बनें। नक्सलबाड़ी आंदोलन के बाद चारु मजूमदार के नेतृत्व में भाकपा माले तेजी से आगे बढ़ रही थी। दूसरी तरफ एके राय के नेतृत्व में कोयला मजदूर आंदोलन कर रहे थे। इन आंदोलनों में ही गुरुदास चटर्जी और महेंद्र सिंह जैसे कई नेता शहीद हुए थे। एके राय ने धनबाद के इलाकों में 70 के दशक में आदिवासियों, मजदूरों के सवाल पर कई आंदोलन किए। हालांकि, बाद के दिनों में मार्क्सवादी समन्वय समिति और माले के नेता कई मुद्दों पर एक साथ काम किया। लेकिन, अधिकृत रूप से माले में मासस का विलय अब हुआ है। एके राय का निधन पांच वर्ष पहले हो चुका है। विलय के समय अरुप चटर्जी मासस के कार्यकारी अध्यक्ष थे।

धनबाद में बढ़ रही माले की ताकत

केडी यादव कहते हैं कि एक समय था, जब धनबाद में मासस की तूती बोलती थी। निरसा विधानसभा सीट से मासस के अरूप चटर्जी कई बार विधायक रह चुके हैं। अभी यहां बीजेपी की अपर्णा सेन गुप्ता विधायक हैं। पिछले चुनाव में जेएमएम ने भी यहां से प्रत्याशी दिया था। सिंदरी विधानसभा सीट पर मासस के पूर्व विधायक आनंद महतो चुनाव लड़ते रहे हैं। इस बार उनके बेटे बबलू महतो को उतारा जा सकता है।

गिरिडीह के राजधनवार सीट से माले के राजकुमार यादव चुनाव लड़ते आए हैं। अभी यहां से बीजेपी के बाबूलाल मरांडी विधायक हैं। अब उम्मीद है कि इन सीटों पर माले कड़ा मुकाबला देगी।

झारखंड में माले एक दर्जन सीटों पर लड़ सकती है विधानसभा चुनाव

जानकारी है कि झारखंड में मासस के माले में विलय के बाद विधानसभा क्षेत्रों की सूची तैयार की गई है, जहां पार्टी चुनाव लड़ेगी। इंडिया गठबंधन को झारखंड में मजबूत करने की रणनीति जोर पर है। संभावना है कि माले एक दर्जन सीटों पर झारखंड में विधानसभा चुनाव लड़ सकती है। 24 और 25 सितंबर को माले की महत्वपूर्ण बैठक होने वाली है। उसमें भी कई बड़े फैसले लिए जाएंगे।

मासस के इन नेताओं को माले में दी गई बड़ी जगह

विलय के बाद मासस के दो बड़े नेता आनंद महतो और हरधर महतो को माले पोलित ब्यूरो में जगह दी गई है। इसके अलावा 5 बड़े नेता अरुप चटर्जी, आईडी मांझी, निताई महतो, आनंद महतो और हलधर महतो को सेंट्रल कमेटी में जगह मिली है।

कांग्रेस से बेहतर परफॉर्मेंस माले का

बात अगर बिहार की करें तो लेफ्ट पार्टियों में माले तेजी से बढ़ रही है। कांग्रेस से भी बेहतर परफॉर्मेंस माले का दिख रहा है। लोकसभा चुनाव में तीन सीटों पर चुनाव लड़ी और दो पर जीत हासिल हुई। वहीं, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस 9 सीटों पर लड़ी थी। सिर्फ तीन सीटें ही जीत पाई। 2020 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इसमें सिर्फ 19 सीटों पर जीत हासिल कर सकी थी। विधानसभा चुनाव के समय आरजेडी के कई नेताओं ने ये बातें कही थी कि कांग्रेस से अधिक सीटें लड़ने के लिए माले को दी गई होती तो तेजस्वी यादव की सरकार बन जाती। अब माले का परफॉर्मेंस लोकसभा चुनाव में भी बढ़ा है। बिहार में माले 19 विधानसभा सीटों से काफी आगे जाकर 50 सीटों की मांग कर सकती है।

बिहार-झारखंड में सीटें बढ़ेंगी- धीरेन्द्र झा, माले पोलित ब्यूरो सदस्य

माले पोलित ब्यूरो के सदस्य धीरेन्द्र झा कहते हैं कि इस विलय से बिहार-झारखंड के वामपंथी आंदोलन को नई ऊर्जा मिलेगी। खास तौर से उत्तरी छोटानागपुर में सम्मिलित ताकत बड़ी ताकत के रूप में उभरेगी।

संक्षिप्त समाचार

अब 20 किलोमीटर तक तक की यात्रा में कोई टोल टैक्स नहीं देना होगा

पटना, एजेंसी। वाहन मालिकों के लिए अच्छी खबर है अब उन्हें 20 किलोमीटर तक की यात्रा में कोई टोल टैक्स नहीं देना होगा। मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने की है। राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क संशोधन नियम, 2024 के तहत राष्ट्रीय राजमार्गों पर पहले 20 किलोमीटर की यात्रा के लिए शून्य-शुल्क नीति लागू की गई है। वही 20 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय करने पर टोल टैक्स देना होगा। कम दूरी का सफर करने वालों का आर्थिक बोझ कम करने के लिए यह नीति लागू की गयी है। सबसे अहम बात यह है कि यह केवल ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम ऑन-बोर्ड यूनिट से लैस वाहनों के लिए लागू होगा। ऐसे में राष्ट्रीय परमिट वाले वाहनों को छोड़कर अन्य वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग, स्थायी पुल, बाईपास या सुरंग पर पहले 20 किलोमीटर की यात्रा के लिए कोई शुल्क नहीं देना होगा।

थाने में पुलिसवाले को धक्का देकर भाग गया और देखती रह गई पुलिस

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के आरा में पत्नी और बच्चों की बेरहमी से कत्ल करने वाला शख्स चंद ही घंटों में पुलिस के कब्जे से फरार हो गया। बड़ी हैरानी की बात है कि ट्रिपल मर्डर का एक आरोपी कई पुलिसवालों की मौजूदगी में थाने से ही फरार हुआ और पुलिस हाथ मलती रह गई। इस मामले में महकमे की काफी किरकिरी होने के बाद अब वरिष्ठ अधिकारी दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करने की बात कह रहे हैं। दरअसल भोजपुर के अजीमाबाद थाना क्षेत्र के मिल्की टोला गांव में मंगलवार की शाम एक सनकी युवक ने अपनी पत्नी और दूधमुंहे सहित दो बच्चों को खंती से गला काट कर मार डाला था। पत्नी का सिर धड़ से अलग था और पैर पर भी जगह-जगह काटे जाने के जख्म मिले थे। पुलिस ने इस मामले में आरोपी लालू यादव को गिरफ्तार किया था। लेकिन बताया जा रहा है कि रात करीब 11 बजे लालू यादव थाने से फरार हो गया। वो पुलिसवालों को धक्का देकर थाने से फरार हुआ और पुलिस देखती ही रह गई। इस मामले में अब जिले के पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार यादव ने कार्रवाई की बात की है। एसपी ने कहा, 'कल अजीमाबाद थाना में पत्नी और बच्चों की हत्या के मामले में मानसिक रूप से विक्षिप्त गिरफ्तार अभियुक्त थाना हजत में बंद था। उसके बाद एक चौकीदार और PSI के द्वारा हजरत रजिस्टर पर कुछ हस्ताक्षर के लिए निकालने के क्रम में वो लोगों को धक्का देकर हत्या फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए टीम प्रयासरत है और इसके साथ लापरवाही करने वाले चौकीदार और पुलिस पदाधिकारी के खिलाफ प्रतिवेदन लेकर कार्रवाई की जा रही है।'

तालाब में डूबने से बच्ची की मौत :दोस्तों के साथ खेलने गई थी, पैर फिसलने से गहरे पानी में डूबी

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के पताही थाना क्षेत्र के नन्हाकर गांव में स्थित हरनाथ बाबा मंदिर के पास तालाब में में नहाने गई एक बच्ची की डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान नहंकार वार्ड-7 निवासी रंजन मांझी की बंटी तेतरी कुमारी(7) के रूप में हुई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि वह अपनी सहेलियों के साथ खेलने गई थी। अंधेरा होने के कारण उसका पेड़ फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। उसके साथ गए अन्य बच्चों ने जब शोरगुल मचाया तो उसके परिजन और ग्रामीण उक्त तालाब के पास पहुंचे। जिसके बाद गोताखोरों की मदद से उसे निकाला गया, फिर स्थानीय सीएससी अस्पताल में लाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची अपर थानाध्यक्ष संजय चौधरी ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल मोतिहारी भेज दिया।

कृषि समन्वयक को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार के समस्तीपुर में एक कृषि समन्वयक को बंधक बनाने का मामला सामने आया है। मामला समस्तीपुर जिले के रोसरा अनुमंडल के शिवाजी नगर थाना क्षेत्र के मऊ उत्तर पंचायत में हुआ है। दरअसल किसानों का डीजल अनुदान का आवेदन रद्द हो गया है इसलिए आक्रोशित ग्रामीण लोगों ने कृषि समन्वयक विजय शंकर कुमार को बंधक बना लिया। कृषि समन्वयक को ग्रामीणों ने बांस के बिट में गमछे से बांध कर रखा था।

कृषि समन्वयक बने बंदी : आक्रोशित किसान वरीय अधिकारी को स्थिति सुलझाने के लिए बुलाने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों ने इस दौरान जमकर नारेबाजी भी की। किसानों ने बताया कि कृषि समन्वयक ने उन्हें जीरो टैग दिया है। उन्होंने कहा कि रद्दीकरण का कारण भी नहीं दिया गया है, इसलिए वे विरोध कर रहे हैं।

कृषि समन्वयक पर पैसे मांगने का आरोप : इस पूरे मामले को लेकर जब कृषि पदाधिकारी और अनुमंडल कृषि पधाधिकारी के द्वारा किसानों से फोन पर बात की गई। पदाधिकारियों ने आक्रोशित किसानों को भरोसा दिलवाया कि उनके सभी रिजेक्ट आवेदनों कि जांच होगी। उसके बाद उन्हें डीजल दिया जाएगा। जिसके बाद बंधक बनाए गए कृषि समन्वयक विजय शंकर को किसानों ने मुक्त कर दिया। किसानों ने अधिकारियों से बातचीत में यह भी बताया कि कृषि समन्वयक ने उनसे पैसों कि भी डिमांड की थी।

नहीं दिया कमीशन तो आवेदन रद्द : किसानों ने कृषि समन्वयक पर आरोप लगाया है कि पैसे नहीं देने के कारण उनके आवेदन को रिजेक्ट कर दिया। हालांकि इस बारे में वरीय अधिकारियों ने कुछ भी बताने से परहेज किया है। अभी किसान इस मामले में शांत है लेकिन अधिकारियों के द्वारा दिया गया आश्वासन अगर पूरा नहीं हुआ तो आगे प्रदर्शन किया जाएगा।

पटना के गांधी मैदान थाने में ही चली गोली : पिस्टल के बैरल में फंसी थी गोली, निकालने के प्रयास में हुई फायरिंग, कोई घायल नहीं

पटना, एजेंसी। पटना के गांधी मैदान थाने में बुधवार की देर रात फायरिंग हुई। फायरिंग के समय पिस्टल का बैरल नीचे था, जिसके चलते एक बड़ा हादसा टल गया। इसमें कोई घायल नहीं हुआ। दरअसल पटना के गांधी मैदान थाना परिसर में दारोगा ने अपने सर्विस रिवॉल्वर को सही तरीके से कॉक नहीं किया। इसके चलते पिस्टल के बैरल से कारतूस अटक गई। दारोगा ने फिर से पिस्टल को कॉक कर गोली निकालना चाहा, इसी दौरान गोली चल गई।

पिस्टल गलती से कॉक हो गया : थानाध्यक्ष : गांधी मैदान थाना थानाध्यक्ष सीताराम प्रसाद ने बताया कि इसी थाने में पदस्थापित दारोगा को सूचना मिली थी कि गांधी मैदान में कोई संदिग्ध देखा गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए दारोगा अपने पिस्टल को साथ लेकर निकलने ही वाला था की पिस्टल गलती से कॉक हो गया। इसके चलते गोली फंस गई और बाद में गोली चल गई।

25 नदियों के बीच बसे गांव में पढ़ाती महिला सिपाही

बगहा के नक्सल प्रभावित इलाकों में शिक्षा से जोड़ गांव की बेटियों को बना रहीं आत्मनिर्भर

बगहा (वाल्मिकीनगर), एजेंसी। बगहा से 45 किलोमीटर दूर, जंगलों के बीच बसा गोबरहिया थाना क्षेत्र जहां पहुंचना आसान नहीं है। यहां करीब 25 नदियों को पार कर आना पड़ता है। दो पंचायतों के 26 गांवों में मुख्य रूप से थारू और उरांव जनजाति के आदिवासी लोग रहते हैं। यह जगह कभी नक्सलियों के लिए कुख्यात इस क्षेत्र था। जहां बिहार पुलिस की महिला सिपाहियों की अनूठी पहल से अब शिक्षा और आत्मरक्षा की नई अलख जग रही है। महिला सिपाहियों की अनूठी पहल से नक्सल प्रभावित इस इलाके में सुरक्षा के साथ-साथ शिक्षा का संदेश फैलाने की ठानी है। पुलिस मुख्यालय से दूर और अपराधिक दृष्टिकोण से संवेदनशील माने जाने वाले गोबरहिया थाना की ये महिला सिपाही अब सिर्फ थाने तक सीमित नहीं हैं। इन्होंने गांव-गांव जाकर लड़कियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाने और शिक्षा के महत्व को समझाने की अनूठी पहल शुरू की है।

यहां हुआ था नरकटिया दोन नरसंहार

यह वही क्षेत्र है जहां कभी नरकटिया दोन नरसंहार जैसी घटनाएं हो चुकी हैं। नक्सल प्रभावित इस इलाके में पुलिस मुख्यालय से दूर स्थित गोबरहिया थाना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यहां की महिला सिपाही अब थाने की चारदीवारी से बाहर निकलकर गांवों में किशोरियों को आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ आत्मरक्षा के गुर सिखा रही हैं। यह पहल लड़कियों के आत्मविश्वास को बढ़ा रही है और उन्हें किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार कर रही है।

किशोरिया ले रही है बढ़ चढ़कर हिस्सा

इस पहल को स्थानीय लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। गांव की किशोरिया बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। बगहा के जंगलों और नदियों के बीच बसे इन दूरस्थ गांवों में शिक्षा और आत्मरक्षा का यह संदेश एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया है। बिहार पुलिस की इन महिला सिपाहियों के प्रयास से अब यहां की बेटियां निडर होकर आगे बढ़ने का सपना देख रही हैं। गोबरहिया थाना की महिला सिपाही, जो कभी महिला हेल्पलाइन के तौर पर काम करती थीं, अब बेटियों को सशक्त बनाने के मिशन पर हैं।

हमारी सरकार बनी तो 200 यूनिट फ्री बिजली देंगे, तेजस्वी यादव का बड़ा ऐलान

पटना, एजेंसी। इन दिनों चुनाव से पहले देश के अलग-अलग राज्यों में मुफ्त बिजली देने की खूब घोषणाएं होती रहती है. अब बिहार में मुफ्त बिजली देने की चर्चा ज़ोर पकड़ने लगी है. दरअसल बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने फ्री बिजली को लेकर बड़ा ऐलान किया है. नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर बिहार में हमारी सरकार बनती है तो हमलोग 200 यूनिट फ्री बिजली देंगे. तेजस्वी यादव ने कहा कि डबल इंजन सरकार और एनडीए के दशकों के शासन के बावजूद देश में सबसे महंगी बिजली बिहार में मिलती है. बिहार की जनता महंगी बिजली बिल और स्मार्ट प्रीपेड मीटर की गड़बड़ियों से त्रस्त हैं. हमारी सरकार आने पर 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी. बता दें, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने विधानसभा चुनाव के प्रचार का आगाज आभार यात्रा के साथ किया है. तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आभार यात्रा की शुरुआत समस्तीपुर से कर दी है. दरअसल पिछले कुछ सालों में खासकर लोकसभा चुनाव के दौरान तिरहुत और मिथलांचल में आरजेडी की पकड़ ढीली हुई है. ऐसे में तेजस्वी यादव ने मिथिलंचल में आरजेडी की पकड़ मजबूत करने के लिए आभार यात्रा की शुरुआत समस्तीपुर से की है. तेजस्वी यादव अपनी इस यात्रा के दौरान अपने पिता लालू यादव के अंदाज में लोगों से जगह-जगह रुककर मिलने वाले हैं. तेजस्वी यादव इससे पहले भी कई यात्रा कर चुके हैं. लेकिन, आभार यात्रा तेजस्वी के लिए काफी खास मानी जा रही है. दरअसल तेजस्वी यादव इस बार की यात्रा में कोई सभा नहीं करने जा रहे हैं. वह लालू यादव के पुराने अंदाज में लोगों चौक-चौराहों और गांव की गलियों में मिलेंगे. इस यात्रा के दौरान तेजस्वी ना तो कोई सभा करेंगे ना ही मंच सजाएंगे और न ही कोई नेताओं की फौज साथ में रखेंगे. तेजस्वी यादव जहां पर विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे. वहीं लालू यादव के अंदाज में लोगों के साथ चौपाल लगाकर बात करते हुए दिखाई पड़ेंगे. तेजस्वी लोगों के घर जा सकते हैं. वहीं देर रात कार्यकर्ताओं के साथ खाने पर बातचीत भी करेंगे.

बिहार की यात्रा पर है तेजस्वी यादव

इन दिनों बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बिहार के जगह जगह पर कार्यकर्ता संवाद कर रहे है। पहले चरण में समस्तीपुर के बाद दरभंगा, मधुबनी और मुजफ्फरपुर में कार्यकर्ता संवाद का आयोजन किया जाएगा। 17 सितंबर तक 40 विधानसभाओं का दौरा करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि संवाद कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं की बात सुनी जाएगी।

पूर्णिया के घूसखोर अंचलकर्मी सस्पेंड

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के कसबा अंचल के घूसखोर कर्मी को डीएम कुंदन कुमार ने सस्पेंड कर दिया है। कार्यालय में घूस लेते वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें परिचारी मो. जमालउद्दीन घूस लेते दिखाए दे रहे। जांच के लिए कमेटी का गठन हुआ था। जिसमें वीडियो सही पाया गया। कार्यालय में वीडियो 10 सितंबर को किसी ने अपने मोबाइल से बनाया था। अंचल अधिकारी की जांच में भी पुष्टि हुई कि मो. जमालउद्दीन ने अंचल कार्यालय में बैठकर किसी शख्स से घूस लिया है। खतियान निकलवाने और अन्य सरकारी कागजातों का नकल देने के लिए रुपए की डिमांड की गई थी।

अन्य कर्मियों को सख्त हिदायत

डीएम ने सख्त हिदायत दी है कि भूमि सर्वेक्षण और राजस्व से संबंधित या अन्य किसी काम के एवज में किसी प्रकार की लापरवाही, कोताही और असंवैधानिक रूप से वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी और कर्मी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में 16 लाख 37 हजार राशन कार्ड कैंसिल

म्रतकों के नाम पर ले रहे थे 5-5 किलो अनाज

पटना, एजेंसी। बिहार में 16 लाख 37 हजार राशन कार्ड कैंसिल किया गया है। यह कार्ड मृतक व्यक्ति के नाम पर था, जिसपर प्रत्येक महीने 5 किलो अनाज लिया जा रहा था। ई केवायसी से खुलासा होने के बाद खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग ने अवैध राशन कार्ड को कैंसिल किया है। इतना ही नहीं, 2 लाख 77 हजार ऐसे लोग सामने आए हैं जो बिहार से बाहर रह रहे हैं। ये लोग दोनों राज्यों में सरकारी अनाज ले रहे हैं।

ई केवायसी से सामने आया मामला : खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग के सचिव एन. सरवन कुमार ने बताया कि ऐसे व्यक्ति जो मर चुके हैं, उनके नाम को राशन कार्ड से हटाया गया है। ई केवायसी कराने से यह डाटा सामने आया है। उन्होंने बताया कि 8 करोड़ 35 लाख राशन कार्ड में से 8 करोड़ 4 लाख यानी 95प्रतिशत कार्डधारी का आधार सीडिंग हो चुके हैं। 5 करोड़ 10 लाख लोगों का ई केवायसी किया गया है, जबकि 3 करोड़ 24 लाख प्रोसेस में है। ई केवायसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद और कार्ड भी कैंसिल किया जाएगा।

2 लाख से अधिक लोग ले रहे थे दो राज्यों में राशन

खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण सचिव एन. सरवन कुमार ने बताया 2 लाख 77 हजार ऐसे परिवार हैं, जो दूसरे राज्यों में मजदूरी कर रहे हैं। वन नेशन वन राशन योजना के तहत एक जगह से ही अनाज ले सकते हैं, लेकिन दूसरे राज्यों में भी अनाज उठा रहे हैं। राजधानी दिल्ली में इनकी संख्या सबसे ज्यादा एक लाख 95 हजार हैं। हरियाणा, पंजाब, हिमाचल समेत अन्य राज्यों में भी बिहार के परिवार अनाज उठा रहे हैं। बिहार में दूसरे राज्यों के सिर्फ 6 हजार ऐसे परिवार हैं, जो पीडीएस से अनाज ले रहे हैं।

90 प्रतिशत परिवार की मुखिया महिला

विभाग की ओर से जो आंकड़े सामने आए हैं, उसके मुताबिक, राज्य में 90 प्रतिशत परिवार की मुखिया घर की महिलाएं हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 1 करोड़ 97 लाख परिवारों का राशन कार्ड उपलब्ध कराया गया है। 22 लाख 88 हजार अंत्योदय अन्न योजना के कार्ड हैं, जबकि एक करोड़ 74 लाख राशन कार्ड पीएचएच श्रेणी के हैं। इन राशन कार्ड में 90प्रतिशत कार्डधारी परिवार में मुखिया के तौर महिलाओं का नाम दर्ज है। विभाग के अनुसार, राज्य में 65.61 लाख से अधिक राशन कार्डधारी हैं।

स्मार्ट मीटर लगाने के कार्य प्रगति की जिलाधिकारी ने की समीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा गुरुवार को अपने कार्यालय कक्ष में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंताओं के साथ जिला में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मोतिहारी, चकिया एवं रक्सौल डिवीजन के विद्युत कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे। मोतिहारी डिविजन के कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि मोतिहारी डिवीजन अंतर्गत कुल 233817 विद्युत उपभोक्ता हैं जिसमें से 91488 उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगा दिया गया है और इस प्रकार 39 प्रतिशत उपलब्धि अभी तक प्राप्त की गई है। चकिया डिवीजन के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि चकिया डिवीजन में कुल 275590 उपभोक्ताओं के विरुद्ध 118172 स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं जिसकी उपलब्धि 43% रही है। उसी प्रकार रक्सौल डिवीजन के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि इस डिवीजन में कुल 188668 विद्युत उपभोक्ता है जिसमें 117055 स्मार्ट मीटर लगाया जा चुका है और यहां पर उपलब्धि 62% दर्ज की गई है। समेकित रूप से देखने पर पूरे जिले में 12 लाख 15 हजार 910 विद्युत उपभोक्ताओं के विरुद्ध 6 लाख 44 हजार 336 स्मार्ट मीटर लगाए गए हैं और इस प्रकार जिले में 53% की उपलब्धि हासिल की गई है।जिलाधिकारी के द्वारा बैठक के दौरान तीनों कार्यपालक अभियंताओं को इस कार्य में तेजी लाकर जल्दी से जल्दी लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया गया।

कार्यपालक अभियंताओं ने बताया स्मार्ट मीटर लगाने के क्रम में उपभोक्ता से कोई शुल्क नहीं ली जा रही है। सभी पुराने मीटर को बदलकर स्मार्ट मीटर का अधिष्ठापन किया जा रहा है। स्मार्ट मीटर पर विद्युत उपभोक्ताओं को पूर्व के भुगतान पर 1.5 प्रतिशत का प्रोत्साहन राशि दिया जा रहा है। ऑनलाइन रिचार्ज के लिए एक प्रतिशत तथा स्मार्ट मीटर पर वित्तीय लाभ के रूप में 0.5 प्रतिशत का लाभ दिया जा रहा है। अभियंताओं ने बताया कि स्मार्ट मीटर द्वारा डाटा स्वत ही बिलिंग सर्वर पर आ जाता है जिससे ऊर्जा रीडिंग के लिए मीटर रीडर की जरूरत नहीं पड़ती है एवं ऑनलाइन माध्यम से समय पर विपत्र प्राप्त किया जा सकता है। मानव हस्तक्षेप नहीं होने से विद्युत विपत्र में त्रुटि की संभावना बिल्कुल ही नहीं रहती है। स्मार्ट मीटर के कारण बिलिंग प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होने से उपभोक्ताओं में विद्युत विपत्र को समझने में सुविधा होती है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर के अधिष्ठापन से पहले विद्युत बकाया राशि को 300 दिनों में भुगतान करने की व्यवस्था की गई है जिससे उपभोक्ताओं को बकाया राशि एक मुफ्त जमा करने के वित्तीय भार से मुक्ति मिलती है।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सह अपर समाहर्ता पूर्वी चंपारण मुकेश कुमार सिंहा, विकास शाखा की प्रभारी पदाधिकारी रश्मि सिन्हा, अग्रणी जिला प्रबंधक गोपाल प्रसाद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

जलजमाव से निजात को लेकर शुरू हुआ काम

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के रक्सौल क्षेत्र के नेपाली स्टेशन इलाके को जलजमाव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद द्वारा युद्धस्तर पर काम शुरू कर दिया गया है।

नगर परिषद के द्वारा मानव बल तथा जेसीबी की मदद से नेपाली रेलवे की खाली जमीन पर जमा पानी और जलकुंभी को हटाने का काम किया जा रहा है। बीते दिनों नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. मनीष कुमार के द्वारा इस इलाके का निरीक्षण किया गया था। जिसमें लोगों के द्वारा इस बात की शिकायत की गयी थी कि यहां जलकुंभी के कारण पानी का निकासी बाधित है।जिसपर संज्ञान लेते हुए इओ डॉ. मनीष कुमार के द्वारा सफाई का निर्देश दिया गया। इसके बाद स्वच्छता पदाधिकारी कन्हैया यादव, कनीय अभियंता राज कुमार राय, सफाई निरीक्षक रामनरेश प्रसाद कुशवाहा की देखरेख में सफाई का काम कराया जा रहा है।

नगर परिषद के द्वारा कराये जा रहे इस कार्य से वार्ड नंबर 1, 2, 3 व 5 के सैकड़ो नागरिकों को लाभ मिलेगा। मोहल्लेवासी नगर परिषद के इस प्रयास पर खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि इससे काफी हद तक समस्या का समाधान होगा।स्थानीय निवासी रीतेश कुमार विश्वकर्मा, माधव राम, कृष्णा ठाकुर, पिंटू कुमार, सत्येन्द्र राम, मदन प्रसाद, पिंटू सिंह, नाथू राम, मनीष कुमार, अजीत राम, ओम कुमार गुप्ता, धर्मेन्द्र सिंह, विजय राम, टुनटुन राम, ओमप्रकाश मिश्रा, विकास ठाकुर, अमृश राम ने बताया कि जलजमाव के बाद आवागमन के लिए मार्ग पर राबिश गिराने का भी निवेदन कार्यपालक पदाधिकारी से किया गया है। इस संबंध में पूछे जाने पर कार्यपालक पदाधिकारी डॉ. मनीष कुमार ने बताया कि जलजमाव के साथ-साथ अन्य समस्याओं के लिए नगर परिषद की टीम लगातार काम कर रही है।

हर-हर महादेव से गुंजायामान हुआ देवापुर संगम घाट

- कांवरियों का जलबोझी शुरू, त्रयोदशी और अनंत चतुर्दशी को सोमेश्वर महादेव को करेंगे जलाभिषेक
- हजारो हुए कांवरिया रवाना

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के पताही प्रखंड क्षेत्र स्थित देवापुर में लालबकेया व बागमती का संगमघाट हर हर महादेव की जयकारे एवं गेरुआ रंग के वस्त्र से पटने लगा है।कांवरिया जलबोझी कर अरेराज में ममोकामना पूरक बाबा सोमेश्वर नाथ को जलाभिषेक के लिए रवाना होने लगे है। इस मौके पर अनंत चतुर्दशी के अवसर पर जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में डाक बम भी पहुंचे है। इनमें ज्यादातर पड़ोसी देश नेपाल, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर सहित पूर्वी चंपारण जिले के श्रद्धालु शामिल है। कांवरियों की सेवा के लिए विभिन्न समाजिक संगठनो के साथ इस बार जन सुराज का विशेश शिविर बनाये गये है। जहां भंडरा के अलावें फल, गर्म पानी, चाय, आदि श्रद्धालुओ को उपलब्ध कराया जा रहा है। पूरे रास्ते में रौशनी की व्यवस्था की जा रही है। सभी श्रद्धालु तेरस व चतुर्देशी को सोमेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। वही विधि व्यवस्था संधारण के लिए जगह-जगह कंट्रोल रूम बनाये गये है। पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारियों के साथ ही पुलिस बलो की तैनाती की गयी है। ऐसी संभावना है कि त्रयोदशी एवं चतुर्दशी को लाखों की संख्या में डाक बम बाबा को जलाभिषेक करेंगे।

पीएम आवास अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य को पूरा करने के लिए मिशन मोड में किये जा रहे कार्यों का डीएम ने किया निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में आवास पर्यवेक्षकों के द्वारा पीएम आवास से संबंधित मिशन मोड में किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की गई एवं निदेशक डीआरडीए को सरकार द्वारा दिए गए गाइडलाइन एवं समय सीमा के अंदर सभी कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि यह कार्य 100 दिनों में पूर्ण किया जाना है। इसमें कहीं चूक नहीं होनी चाहिए एवं सभी कार्य समय से पूर्ण होनी चाहिए। निरीक्षण के समय उपस्थित निदेशक डीआरडीए जयराम चौरसिया ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना(ग्रामीण) अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूर्वी चंपारण जिला को कुल 7217 आवास का लक्ष्य प्राप्त है। इससे संबंधित पत्र जिला को 5.9.2024 को प्राप्त हुआ है। निदेशक डीआरडीए ने बताया कि प्राप्त लक्ष्य के अनुसार सभी आवासों को मिशन मोड में 100 दिनों के अंदर पूर्ण कराया जाना है। उन्होंने बताया कि इस प्रक्रिया में सबसे पहले प्राथमिकता सूची में शामिल लाभूकों का सत्यापन कराया जाना था। इसके पश्चात पात्र लाभुकों का आवास सॉफ्ट पर निबंधन करना है। जिला स्तर पर पात्र लाभुकों की स्वीकृति देनी है। इसके बाद प्रखंड स्तर पर ऑर्डर शीट बनाकर फंड ट्रांसफर आर्डर का निर्माण किया जाएगा, जिसका सत्यापन प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा हर हाल में 15 सितंबर के पहले कर लिया जाना है। इस प्रक्रिया में प्रत्येक कार्य के लिए विभाग द्वारा समय सीमा निर्धारित की गई है। इसी क्रम में कार्य की अधिकता एवं समय सीमा की बाध्यता को देखते हुए लाभुकों की स्वीकृति प्रदान करने के लिए गुरुवार को राधाकृष्णन भवन में आवास पर्यवेक्षकों का कैंप लगाकर मिशन मोड में कार्यों को कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक प्रखंड में भी ऑर्डर शीट जेनरेशन एवं फंड ट्रांसफर आर्डर निर्माण का कार्य चल रहा है ताकि निर्धारित अवधि में सभी कार्यों को पूर्ण कराया जा सके। इस अवसर पर जिला विकास शाखा की प्रभारी पदाधिकारी रश्मि भी उपस्थित थी।

बिना पूर्व सूचना का 8 घण्टे बाधित रही विद्युत आपूर्ति

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के कोटवा अंचल में बिना पूर्व सूचना के मेन्टेन्स के नाम पर घण्टों विधुत आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है। विभाग द्वारा मनमाने तरीके से बिना किसी पूर्व सूचना के गुरुवार की सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे के बाद तक सप्लाई बंद कर दिया गया। नतीजतन कोटवा क्षेत्र के मार्केट और ग्रामीण इलाके के व्यवसायी सहित आम आदमी को बहुत परेशानी झेलना पड़ा । इस सम्बंध में विभाग के एसडीओ राजीव मिश्रा ने भी माना कि कटौती की पूर्व सूचना देना जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि मजूरहां से लेकर कोटवा तक 22 किलोमीटर लाइन का मेंटेनेंस का काम किया जा रहा है। त्योहारो को देखते हुए विभाग अपनी तरफ से पूरी तैयारी कर लेने के लिए प्रयासरत है। लिहाजा जिले में सभी क्षेत्र में शॉट डाउन लेकर मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा है। इस बीच बताया गया है कि कोटवा क्षेत्र में दो दिन , गुरुवार व शुक्रवार को सुबह 5 से 10 बजे तक लाइन बन्द रख कर मेंटेनेंस कार्य करना था , इस दौरान निर्णय लिया गया कि एक - दो घण्टा अधिक समय लेकर दो दिन का काम एक दिन में ही निपटा दिया जाएगा , नतीजतन सप्लाई 8 घण्टे तक बंद रहा। बहरहाल इतना तो तय है कि मेंटेंट्स का कार्य जरूरी है , जिसे करना आवश्यक है पर समय अवधि निर्धारित कर कटौती की पूर्व सूचना प्रसारित करना बहुत जरूरी होता है। यहां बता दे कि शुक्रवार को पीपराकोठी क्षेत्र में विधुत आपूर्ति बंद कर मेंटेनेंस का काम किया जाएगा।

स्वर्ण प्रभात बने पूर्वी चंपारण के नये एसपी

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार में नये डीजीपी आलोक राज के कमान संभालने के बाद बड़े पैमाने पर आईपीएस अधिकारियो का स्थान्तरण किया गया है।इस कड़ी में आबादी के मामले में पटना के बाद दूसरे बड़े जिले पूर्वी चंपारण में नये एसपी के रूप में गोपालगंज के एसपी स्वर्ण प्रभात की नियुक्ति की गई है। जिले में पदस्थापित तेजतर्रार एसपी कांतेश कुमार मिश्र को केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर भेज आईबी के संयुक्त निदेशक बनाये जाने के बाद लगातार जिले में नये एसपी की नियुक्ति को लेकर चर्चा की जा रही थी। वैसे में गोपालगंज के एसपी स्वर्ण प्रतभात की पूर्वी चंपारण के नये एसपी बनाये जाने के बाद सभी चर्चाओ पर विराम लग गया है। उल्लेखनीय है,कि स्वर्ण प्रभात 2017 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वे मूल रूप से भोजपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने 105 रैंक के साथ यूपीएससी की परीक्षा पास की थी। स्वर्ण प्रभात भोजपुर के तरारी प्रखंड के मोआप कला के कौशलेश कुमार सिन्हा और ललिता देवी के पुत्र हैं। यूपीएससी के पहले वो आइआइटीयन थे। स्वर्ण प्रभात आइआइटी खड़गपुर से कंप्यूटर साइंस से इंजीनियरिंग किया है। आइआइटी खड़गपुर से कंप्यूटर साइंस की पढ़ाई पूरी करने के बाद स्वर्ण प्रभात ने माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में अच्छे पैकेज पर जॉब किया। लेकिन उन्होने दो साल बाद नौकरी छोड़ दी और यूपीएससी की तैयारी में जुट गए। पहले प्रयास में सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और पूरे मन के साथ तैयारी में जुटे रहे। उन्होंने दूसरे प्रयास में यूपीएससी क्लियर करते हुए 105वां रैंक हासिल किया।ट्रैक रिकार्ड पर गौर करे तो आईपीएस स्वर्ण प्रभात एक बेहतरीन पुलिस अफसर है। जिन्होने पटना, भागलपुर व गोपालगंज में पदस्थापित रहते हुए कई सनसनीखेज मामलो का खुलासा किया है।साथ ही क्राइम को भी कंट्रोल किया है।आईपीएस कांतेश कुमार मिश्र की भांति संगठित अपराध,भूमाफिया व ड्रग्स पैडलर इनके निशाने पर रहा है।जिले में नये एसपी के रूप इनके पदस्थापित होने से कानून व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद दिखाई दे रही है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी जागरूकता हेतु सारथी रथ को प्रभारी सीएस ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

- सदर अस्पताल से सारथी रथ को किया गया रवाना
- जिला में 30 सारथी रथ प्रखंडों में करेंगे प्रचार-प्रसार
- महिला बंध्याकरण से बहुत आसान है पुरुष नसबंदी

बीएनएम। मोतिहारी

बढ़ती जनसंख्या पर रोक एवं परिवार नियोजन कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से शहर के सदर अस्पताल परिसर से प्रभारी सीएस सह अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने गुरूवार के हरी झंडी दिखाकर सारथी रथ रवाना किया। इस मौके पर डॉ. पासवान ने बताया कि सारथी रथ रवाना करने का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या पर रोकथाम हेतु लोगों को महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबन्दी पर जागरूक करना है। डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने कहा कि जिले के सभी प्रखंडों में 30 सारथी रथ अगले 5 दिनों तक प्रचार-प्रसार करेंगे। डीसीएम नन्दन झा ने कहा कि आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया गया है की महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबन्दी हेतु जोर-शोर से प्रचार-प्रसार करें।

महिला बंध्याकरण से आसान है पुरुष नसबंदी: डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने कहा कि महिला बंध्याकरण से आसान है पुरुष नसबंदी। पुरुष नसबंदी के बाद किसी भी तरह की शारीरिक या यौन कमजोरी नहीं आती है। यह पूरी तरह सुरक्षित और आसान है। लेकिन अधिकांशतः पुरुष अभी भी इसे अपनाने में हिचकिचा रहे हैं। समुदाय में अभी भी पुरुष नसबंदी से संबंधित जानकारी का अभाव है।

योग्य दम्पतियों से होगा सम्पर्क: जिला स्वास्थ्य समिति के डीसीएम नंदन झा ने बताया कि जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मी योग्य दम्पतियों से सम्पर्क कर परिवार नियोजन हेतु प्रेरित करेंगी। उन्होंने बताया कि मिशन परिवार विकास अभियान के अन्तर्गत जिले में 14 सितम्बर तक दम्पति सम्पर्क पखवाड़ा और 17 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। नंदन झा ने बताया कि सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में महिला बंध्याकरण एवं पुरुष नसबंदी की सुविधा उपलब्ध है। नसबंदी के लिए पुरुष लाभार्थी को 3000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए प्रोत्साहन दिया जाता है। महिला बंध्याकरण के लिए लाभार्थी को 2000 रुपए एवं प्रेरक को प्रति लाभार्थी 300 रुपए दिया जाता है। मिशन परिवार विकास अभियान के अन्तर्गत अंतरा, गर्भनिरोधक गोलियां, माला एन, कंडोम आदि सहज उपलब्ध है। इस मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, डीसीएम नन्दन झा, डीपीसी भारत भूषण, डैम अभिजीत भूषण, स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे, यूनिसेफ़ से धर्मेंद्र कुमार, पीएसआई इंडिया के जिला प्रतिनिधि अमित कुमार, सी3 के आदित्य राज, सीफार के सिद्धांत कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व विधायक ने मिशन 2025 की तैयारी को ले किया दौरा

बीएनएम। हरसिद्धि। हरसिद्धि विधान सभा मिशन 2025 को लेकर पूर्व विधायक राजेन्द्र कुमार राम ने अपने समर्थकों के साथ मंगलवार को शाम को सोनवर्षा पंचायत में दौड़ा किया। पूर्व विधायक ने बताया कि विधानसभा 2025 के चुनाव के तैयारी को लेकर आम जनता से मुलाकात कर चुनाव में राजद के पक्ष में मतदान करने के लिए प्ररित किया गया। पूर्व विधायक ने सोनवर्षा, मलाही टोला, धनखरैया व पन्नापुर में जगह- जगह बैठक किया। वही आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार और नीतीश सरकार को घेरने का प्रयाश किया। मौके पर राजद नेता राजेन्द्र यादव, जगत नारायण कुशवाहा, राकेश कुशवाहा, हरेन्द्र बैठा, मोहन सहनी, इत्यादि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

नहर में डूबने से सातवीं की छात्रा की मौत

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के गायघाट पंचायत के वार्ड नंबर तीन स्थित रामनगर के समीप 50 आईडी नहर पुल के समीप शाम में खेलने के दौरान एक छात्रा पानी से भरी नहर में डूब गई जहां अन्य साथियों के हल्ला पर ग्रामीण जुटे। पानी से छात्रा को निकालकर स्थानीय चिकित्सक के यहां ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृत छात्रा लक्ष्मी कुमारी रामनगर के ललन सहनी की पुत्री गई है। शिक्षक सह मुखिया पति संतोष सिंह ने बताया कि लक्ष्मी मठलोहियार मिडिल स्कूल में वर्ग सात में पढ़ती थी। वह काफी मेधावी छात्रा थी। गांव के बच्चो के साथ वह नहर के बांध पर खेल रही थी। इसी दौरान वह पानी से भरे नहर में गिर गई। ग्रामीण उसे निकाल चिकित्सक के पास ले गए, तबतक मौत हो गई थी। उन्होंने कहा की मृतक छात्रा के परिजन को सरकारी मुआवजा दिलाने का प्रयास करेंगे। थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय मौके पर पहुंच शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा दिया।

साकेत बने नरकटियागंज विधानसभा प्रभारी

बीएनएम। मोतिहारी। बिहार प्रदेश जदयू के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने जदयू प्रदेश सचिव साकेत कुमार सिंह की पार्टी के प्रति समर्पण ईमानदारी एवम कर्तव्य निष्ठा को देखते हुए नरकटियागंज विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी मनोनीत किया है। श्री सिंह गोविंदगज विधानसभा क्षेत्र के बहादुरपुर पंचायत के बिनवालिया गावँ के निवासी है। इनके मनोयन से क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। उनके शुभचिंतको ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। साकेत सिंह ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार एवं प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित सभी नेताओं का आभार व्यक्त किया है। इनके मनोनयन पर जन्मेजय पटेल, जितेंद्र सिंह, बिनोद सिंह, मनीष कुमार, सुबोध सिंह, लालबाबू यादव, ललन सिह, मनोज यादव, निखिल सिंह, नेहाल खान, नारायण पटेल, मुन्ना पटेल, लालबाबू कुशवाहा, प्रदीप कुशवाहा, बिन्नू तिवारी, सुभाष कुमार पटेल, चंदन कुशवाहा, रमेश कुशवाहा आदि ने बधाई दी है।

फिजाओं में तैर रहे सवाल, आखिर कबतक चलेगा हरसिद्धि मनरेगा में लूट-खसोट और फर्जीवाड़ा

बीएनएम। प्रवीण कुमार पाण्डेय : अरेराज

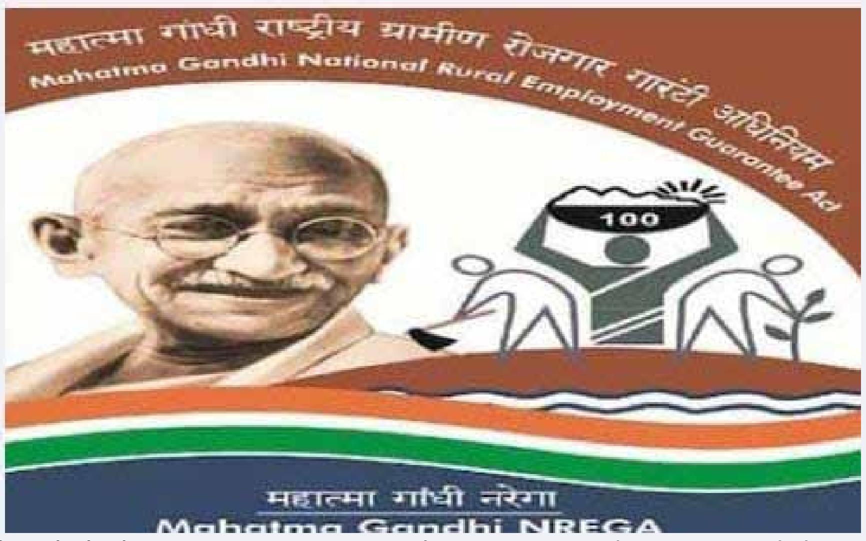

हरसिद्धि प्रखंड में मनरेगा द्वारा संचालित योजनाओं में लोग करवाई के इंतजार में ही है की एक और फर्जीवाड़ा यादवपुर पंचायत से खुलकर सामने आया है इस पंचायत मे भी फर्जीवाड़े की होड़ मची हुई है। पंचायत रोजगार सेवक तक की मिलीभगत से इंकार नहीं किया जा सकता है। यादवपुर पंचायत मे बुधवार को दो योजनाओं का फर्जी हाजरी मेट सामिना नेशा द्वारा मोबाइल मोनेटरिंग सिस्टम पर अपलोड किया गया है। जिसमें पहला योजना वार्ड 16 पक्की पीच से लक्ष्मण साह के खेत तक मिट्टी भराई व ईंट सोलिंग कार्य मे 36 मजदूर के जगह पर मात्र 10 फोटो खिचुआ मजदूर ही दिखाई दिए। वही दूसरी योजना "वार्ड 13 ब्रह्म स्थान व माई स्थान के पास सार्वजनिक भूमि मे मिट्टी भराई व पेपर ब्लाक" 40 मजदूरों के जगह पर मात्र 6 मजदूर ही पाये गये। इन दोनों योजनाओं में से कही भी सार्वजनिक क्रियान्वित योजनाओं में योजना स्थल पर बोर्ड नहीं लगाया गया है। बोर्ड नहीं लगाने पर प्राक्कलन में आसानी से चोरी की जा सकती है। जबकि सरकार का स्पष्ट आदेश है कि किसी भी योजना के कार्यस्थल पर सूचना बोर्ड जरूर लगाएं। उस बोर्ड में योजना का नाम, योजना की प्राक्कलित राशि आदि का जिक्र अनिवार्य रूप से रहनी चाहिए। कार्य स्थल पर योजना का बोर्ड नहीं लगाए जाने से सरकारी राशि की लूट करने की आजादी है। चूंकि आम लोगों को योजना और प्राक्कलन की जानकारी नहीं मिल पाती है। पंचायत से लेकर प्रखंड तक के विभागीय कर्मी एवं पदाधिकारियों की मेल से सरकारी राशि की लूट करने की चर्चा पंचायतों में खूब हो रही है। मनरेगा से संबंधित एक कर्मचारी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया की अगर पिछले दो वर्षों के दौरान मनरेगा से हरसिद्धि के सभी पंचायतों मे हुये कार्य की अगर सही तरीके से जांच की जाये तो करोड़ों रुपये का फर्जीवाड़ा सामने आ सकता है।

नाबालिग बच्ची से गैंग रेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया

हैवानियत की सारी हदें पार कर छः किशोरों ने एक नाबालिग बच्ची के साथ गैंग रेप किया है। इस मामले में पीड़िता के पिता के आवेदन के आलोक में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित में से तीन युवकों को बुधवार की देर शाम गिरफ्तार कर लिया है। घटना बिजधरी थाना क्षेत्र के एक गाँव की है। बताया जाता है कि चार सितंबर को बच्ची के साथ उसके गाँव के ही छः युवकों ने सुनसान जगह पर ले जाकर गैंग रेप किया। इस घटना को लोकलाज के कारण दबा दिया गया था। लेकिन आरोपियों द्वारा इस घटना की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल करने की बात कहने पर पीड़िता के पिता ने छः युवकों को आरोपित करते हुए आवेदन दिया। जिसके बाद बिजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित किशोर ऋतिक कुमार, सूरज कुमार व गुड्डू यादव को गिरफ्तार कर लिया। डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि आवेदन को अग्रतर कार्रवाई के लिए महिला थाना भेजा गया है। पीड़िता की मेडिकल जाँच करायी जाएगी।

दूसरे दिन भी दिखा तेंदुआ,कई गांव के लोग भयभीत, वन विभाग टीम पदचिन्ह से पहचान व खोज में जुटी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर प्रखंड में गुरुवार को दूसरे दिन भी तेंदुआ जानवर को ग्रामीणों ने सरेह के बासवारी में छिपा देखा। जिस कारण दरियापुर दुबे टोला सहित कई टोले के ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार अभी भी तेंदुआ गांव के बासवारी में छिपा हैं। किसी अनहोनी की घटना से ग्रामीण भयभीत हैं। पंसस सह ग्रामीण नुसरत फातमा, पूर्व सरपंच प्रत्याशी महबूब खान, समाज सेवी परवेज उर्फ बबलु खान आदि ने बताया कि गांव के लोग रतजगा कर रहे है पशुओ को घरों में छिपा कर रखा जा रहा है। ग्रामीण किसान खेत और बासवारी आदि जाना छोड़ दिये है। वन विभाग के उप परिसर पदाधिकारी धर्मेंद्र कुमार के साथ उसकी पांच सदस्यीय टीम ने पहुच पदचिन्ह देखकर उसकी पहचान की गई घास पर होने के कारण चिन्ह स्पष्ट नही हो सका की तेंदुआ हैं कि कोई और जानवर। इस बाबत बेतिया से वन विभाग के डॉक्टर को पंहुचना था लेकिन गुरूवार को शाम तक नही पहुंचने के कारण किसी प्रकार का जांच नही हो सका। उत्तरी मधुबनी पंचायत के मुखिया रवि सिंह ने वन विभाग से उक्त जानवर को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की ताकि आमजनों को कोई अप्रिय घटना न हो।

पीपराकोठी में बीच सड़क पर पलटी ट्रक, दो बाइक व एक टेम्पू आया चपेट में

आधा दर्जन लोग आंशिक रूप से घायल

बीएनएम। मोतिहारी

एनएच 28 व 27 को जोड़ने वाली पीपराकोठी मुख्य चौराहा पर गुरुवार को एक अनियंत्रित ट्रक पलट गई। जिसमें दो बाइक व एक टेम्पो चपेट में आ गए। हालांकि दोनों बाइक, टेम्पो एवं मुख्य चौराहा पर खड़े यात्रियों ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई जिससे आज एक बड़ी घटना घटने से बच गई। बताया जाता है कि गोरखपुर से गेहूं लादकर हाजीपुर जा रही ट्रक संख्या यूपी 58एपी /3480 तेज रफ्तार में जा रही थी। जैसे ही वह पीपराकोठी मुख्य चौराहा पर पंहुचा तो उस ट्रक के चालक ने अपना संतुलन खो दिया और ट्रक पलट गई। जिसके चपेट दो बाइक और एक टेम्पो आ गई। जिसमें गलैमर बाइक संख्या बीआर 06डीएफ /3181 के चालक पुरानी मेहसी निवासी विशाल कुमार, डिस्कवर बाइक संख्या बीआर 05एम /3309के चालक भोपतपुर निवासी रामबाबू साह, तथा टेम्पो संख्या बीआर 06पीएफ /4878 के चालक चकिया बारा गोबिंद निवासी राहुल राज सहित टेम्पो पर सवार चार लोग किसी तरह अपनी किसी तरह जान बचाई। इसमें करीब आधा दर्जन लोगो को आंशिक रूप से चोटे आई है और टेम्पो व दोनों बाइक क्षतिग्रस्त हो गए है। हालाकि ट्रक के चालक यूपी कोहबारवा महोली निवासी राहुल चौहान एवं उपचालक विशाल कुमार ट्रक का शीशा तोड़कर थाना परिसर में भागकर छुप गया। बताया जाता है कि इसके पूर्व भी मुख्य चौराहा पर तेज रफ्तार के कारण कई बड़ी वाहन पलटकर दुर्घटनाग्रस्त हो चूका है।

भारत पिछड़ा मौका हाथ से गया

चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब आगे क्या विकल्प है? श्रम केंद्रित मैनुफैक्चरिंग सेक्टर्स से चीन के हटने से भारत के सामने बड़ा निर्यातक देश बनने का जो अवसर आया था, वह हाथ से निकल गया है। यह बात विश्व बैंक ने कही है। बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में जिक्र किया है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार पिछले एक दशक के दौरान घटा है। बताया गया है कि वस्त्र, चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं जेवरात आदि जैसे श्रम केंद्रित सेक्टर्स में विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा गिरता चला गया है। जबकि बांग्लादेश, वियतनाम और पोलैंड जैसे देशों ने अपना हिस्सा बढ़ा लिया है। इसके पहले मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि 2017-18 के बाद से उपरोक्त वस्तुओं के भारतीय निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है। नतीजतन, इन क्षेत्रों से जुड़े कारखाने या तो बंद हुए हैं या उन्होंने अपना उत्पादन घटाया है। स्वाभाविक है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या नौकरियां गई हैं। विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है। बैंक की राय है कि जब तक भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित क्षेत्रों के वैल्यू चेन (मूल्य श्रृंखला) में आगे नहीं बढ़ता है, उसके लिए बेरोजगारी की समस्या का हल ढूंढना मुश्किल बना रहेगा। गौरतलब है कि बैंक ने जिस अवधि का विस्तार से जिक्र किया है, वो मेक इन इंडिया और आत्म-निर्भर भारत जैसे नारों के शोर से भरी रही है। लेकिन अब उन नारों की हकीकत देश के सामने है। विचारणीय है कि चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत इसमें पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब देश के सामने क्या विकल्प है? वर्तमान केंद्र सरकार ऐसे गंभीर मसलों पर किसी राष्ट्रीय बहस की शुरुआत करेगी, इसकी उम्मीद तो नहीं है; लेकिन विपक्ष के पास भी क्या इसकी इच्छाशक्ति एवं बौद्धिक साहस है?

चुनाव करवाने के बजाए पद पर जमे हुए हैं जेलेंस्की

यूक्रेन हमलावर है। और वो रक्षात्मक कतई नहीं है। वो रूस की हर ईंट का जवाब पत्थर से दे रहा है। अगस्त में रूसी इलाके में काफी अन्दर तक घुसपैठ करने में यूक्रेन की आश्चर्यजनक सफलता से उसकी जनता और यूक्रेन के मित्र देशों, दोनों का मनोबल काफी बढ़ा है। मगर अब बुरी खबर। यूक्रेन के लुवियो पर हुए एक मिसाइल हमले में कम से सात लोग मारे गए और 53 घायल हुए। इसके पिछले दिन पोल्टावा के एक सैन्य प्रशिक्षण केन्द्र व अस्पताल पर हुए हमले में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। सप्ताहांत पर खार्कीव में एक खेल मैदान को बम का निशाना बनाया गया। इसमें एक चौदह वर्षीय लड़की समेत कम से कम सात लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस बीच पूर्वी यूक्रेन में रूसी सुरक्षाबलों की स्थिति मजबूत हुई है, जहां दसियों हजार यूक्रेनी पलायन की तैयारी कर रहे हैं। यदि रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पोकरोस्क यूक्रेन के हाथ से निकल जाता है, तो यह उसके लिए एक बड़ा धक्का होगा। इन हमलों के बीच राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की ने जनता की नाराजगी को महसूस करते हुए युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे बड़ा एवं महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया है। जेलेंस्की का पांच वर्ष का कार्यकाल 20 मई को समाप्त हो गया है लेकिन चुनाव करवाने के बजाए वे पद पर जमे हुए हैं। यूक्रेन में फरवरी 2022 में रूसी आक्रमण के बाद लागू किया गया मार्शल लॉ अभी भी जारी है, जिसके अंतर्गत चुनाव नहीं करवाए जा सकते। हालांकि युद्ध के शुरूआती दौर में जेलेंस्की के प्रयासों और उनके नेतृत्व की प्रशंसा होती थी, और देश की जनता उनके नेतृत्व में एकजुट थी, लेकिन बाद में उनकी लोकप्रियता और उनके प्रति समर्थन घटता गया। कुछ यूक्रेनियाईयों का मानना है कि यदि देश का नेतृत्व किसी अन्य नेता के हाथ में होता तो युद्ध बेहतर तरीके से लड़ा जा सकता था और किसी तरह के शांति समझौते का मार्ग प्रशस्त हो सकता था। उनकी मंत्रिपरिषद में भी उनके प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान थोक में इस्तीफे हुए हैं, जिससे बगावत की बू आ रही है। यही वजह है कि जेलेंस्की फेरबदल कर रहे हैं, जिसका लंबे समय से इंतजार था। कई अत्यंत प्रभावशाली और महत्वपूर्ण व्यक्ति बर्खास्त किए जाने वालों की लिस्ट में शुमार हैं। दो उपप्रधानमंत्री और कानून मंत्री तो इनमें हैं ही, मगर हटाए जाने वालों में सबसे जाने-माने व्यक्ति हैं दिमित्रो कुलेबा, जो लंबे समय से विदेशमंत्री हैं। जब उन्होंने फरवरी में अत्यंत लोकप्रिय सेनाध्यक्ष वलेरी ज़ालुज़्नी को बर्खास्त किया था, तो लोगों को काफी आश्चर्य हुआ था, लेकिन विदेश मंत्री और ऊर्जा ग्रिड के प्रमुख व्लादिमिर जेलुनन्यही को हटाए जाने और बोर्ड के दो विदेशी सदस्यों द्वारा राजनैतिक दबाव की शिकायत किया जाना वाकई उनके लिए चिंता का सबब है।

सामाजिक-सांस्कृतिक ताने-बाने से जोड़ती है मातृभाषा

डॉ. सत्यवान सौरभ

हिन्दी दिवस (14 सितंबर) पर विशेष

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल ही में स्कूल और उच्च शिक्षा दोनों में "बड़े पैमाने पर परिवर्तनकारी सुधार" लाने के लिए नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को मंजूरी दी। देश के लिए लगभग 34 वर्षों के बाद नई शिक्षा नीति आई है। यह मौजूदा शिक्षा प्रणाली के लिए कुछ नया लेकर आई है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में कक्षा 5 तक की शिक्षा के माध्यम के रूप में घरेलू भाषा, मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा बनाने का निर्णय है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह राष्ट्र निर्माण में दीर्घकालिक प्रभाव पैदा कर सकता है। मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में स्कूली शिक्षा प्रदान करना मानव संसाधन विकास की चल रही प्रक्रिया में भारी बदलाव ला सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि क्षेत्रीय भाषाएं मानवीय मूल्यों और भावनाओं को बढ़ाने में मदद करती हैं और मातृभाषा सीखने से भविष्य की पीढ़ियों को अपने सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने के साथ संबंध बनाने में मदद मिलेगी। एक बच्चे की मातृभाषा में प्रारंभिक स्कूलिंग, जैसा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सिफारिश की गई है, सीखने में सुधार कर सकती है, छात्र की भागीदारी को बढ़ा सकती है और दुनिया भर के बोझ को कम कर सकती है। हालांकि, इसके लिए नई पुस्तकों, नए शिक्षक प्रशिक्षण और अधिक धन की आवश्यकता होगी, इसके अलावा, भारत में भाषाओं और बोलियों की बहुलता को देखते हुए, यह उस क्षेत्र में एक निर्देश के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है जिस पर अन्य भाषाओं में काम करना मुश्किल है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) कहती है कि ग्रेड V तक स्कूलों में शिक्षा का माध्यम जहां भी संभव हो, आठवीं कक्षा तक, मातृभाषा या स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा होनी चाहिए। "यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास जल्दी किए जाएंगे ताकि बच्चे द्वारा बोली जाने वाली भाषा और शिक्षण के माध्यम के बीच कोई अंतराल न रहे। प्रारंभिक स्कूल के वर्षों में बच्चे को सबसे अधिक आरामदायक भाषा का उपयोग करना इसकी स्कूली उपस्थिति और सीखने के परिणामों में सुधार करता है। दुनिया भर के अध्ययनों से यह भी पता चलता है कि यह कक्षा की भागीदारी को बढ़ाता है, ड्रॉपआउट और ग्रेड पुनरावृत्ति की संख्या को कम करता है। यह उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान से परिचित कराने का अवसर भी प्रदान करता है। ऐसा होने के बावजूद निम्न और मध्यम आय वाले देशों के सभी बच्चों को उनके द्वारा बोली जाने वाली भाषा में पढ़ाया नहीं जाता है। आज के अभिभावक अपने बच्चों को-इंग्लिश-मीडियम 'स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, भले ही वे शिक्षा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना यह मानते हों कि अंग्रेजी भाषा की महारत बाद के जीवन में सफलता सुनिश्चित करती है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में निजी स्कूलों में दाखिला लेने वाले और शहरी क्षेत्रों में 19.3% लोगों में से लगभग 14% ने एक निजी स्कूल चुना। क्योंकि वहां अंग्रेजी शिक्षा का माध्यम था। विशेषज्ञों का तर्क है कि एक अंग्रेजी शिक्षा हमेशा सबसे अच्छी नहीं होती है। कोई भी उस भाषा में सबसे अच्छा पढ़ना-लिखना सीख सकता है जिसे आप पहले दिन से जानते हैं। अच्छी शिक्षा तब होती है जब बच्चों में उच्च आत्मसम्मान होता है, उन्हें कक्षा में अच्छी तरह से समायोजित किया जाता है जो एक सकारात्मक और भयमुक्त वातावरण प्रदान करता है। यदि बच्चे को ऐसी भाषा में पढ़ाया जाता है जो उन्हें समझ में नहीं आता है, तो इसमें से कुछ भी नहीं होगा। ग्रामीण भारत में, ग्रेड I में नामांकित केवल 16.2% बच्चे ही ग्रेड I-स्तर का पाठ पढ़ सकते हैं, जबकि केवल 39.5% ही एक-अंकीय संख्याओं को जोड़ सकते हैं। 2011 की जनगणना ने 270 मातृभाषाओं को सूचीबद्ध किया; इनमें से, अध्ययन के अनुसार, 47 भाषाओं को भारतीय कक्षाओं में शिक्षा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया गया था। लेकिन हम कम सीखने के परिणामों की समस्या को हल करने के लिए मातृभाषा में पढ़ाना कोई एकमात्र विकल्प भी नहीं मान सकते हैं। बहुभाषी शिक्षा के सफल होने के लिए शैक्षणिक परिवर्तन और प्रशिक्षित शिक्षकों का होना चाहिए जो कक्षा में कई भाषाओं से निपट सकते हैं और बच्चे की मातृभाषा में पढ़ा सकते हैं। प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा

का उपयोग करने का विचार भारतीय शिक्षा प्रणाली के लिए नया नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 350A कहता है कि प्रत्येक राज्य और स्थानीय प्राधिकरण को "भाषाई अल्पसंख्यक समूहों से संबंधित बच्चों को शिक्षा के प्राथमिक चरण में मातृभाषा में शिक्षा के लिए पर्याप्त सुविधाएं" प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। शिक्षा और राष्ट्रीय विकास (1964-66) पर कोठारी आयोग की रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि आदिवासी क्षेत्रों में, स्कूल के पहले दो वर्षों के लिए, निर्देश और पुस्तकों का माध्यम स्थानीय जनजातीय भाषा में होना चाहिए। क्षेत्रीय भाषा को अलग से पढ़ाया जाना चाहिए और तीसरे वर्ष तक शिक्षा का माध्यम बनना चाहिए। शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 ने यह भी कहा कि जहां तक संभव हो, स्कूल में शिक्षा का माध्यम बच्चे की मातृभाषा होना चाहिए। भारत में कई भाषाएं हैं, 2011 की जनगणना में 270 मातृभाषाओं की पहचान की गई और कक्षाओं में एक से अधिक बोली जाने वाली भाषा वाले बच्चे हो सकते हैं। सभी भाषाओं के लिए शिक्षा का माध्यम बनना संभव नहीं हो सकता है और देश के बड़े हिस्सों में इसे लागू करना संभव नहीं हो सकता है। द्विभाषी कार्यक्रमों में प्रारंभिक निवेश उच्चतर हो सकता है क्योंकि नई शिक्षण सामग्री को विकसित करने की अतिरिक्त लागत के लिए विशेष रूप से उन भाषाओं के लिए जिन्हें मानकीकृत नहीं किया गया है या जिनके पास स्क्रिप्ट नहीं है। इसके लिए बहुभाषी कक्षा में पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों और इन भाषाओं में धाराप्रवाह नए शिक्षकों की आवश्यकता होगी। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए अधिकांश राज्यों के अपने स्कूल बोर्ड हैं। इसलिए, राज्य सरकारों को इस फैसले के वास्तविक कार्यान्वयन के लिए आगे आना होगा। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य हर छात्र के शैक्षिक और सह-शैक्षिक डोमेन में सर्वांगीण विकास करना है और छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को शिक्षित करने पर जोर दिया गया है ताकि वे राष्ट्र की सेवा करने की अपनी क्षमता का पोषण कर सकें। लगभग तीन-चार वर्षों के लिए देशभर के कुछ स्कूलों में नए मॉडल की कोशिश करना, कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं की पहचान करना और परिवर्तन की लागत और फिर इन समस्याओं को हल करने वाली कार्य योजना तैयार करना है। इस से आसान और सुलभ तरीके प्रदान करके विभिन्न ज्ञान धाराओं के बीच पदानुक्रम और बाधाओं को दूर करने में बेहद फायदेमंद साबित होगी। मातृभाषा में पढ़ाई वैचारिक समझ के आधार पर एक घरेलू प्रणाली के साथ सीखने और परीक्षा-आधारित शिक्षा की रट विधि को बदलने में मदद करेगा। जिसका उद्देश्य छात्र के अपनी भाषा में ज्ञानात्मक कौशल को सुधारना है, ताकि वह अन्य भाषाओं के बोझ तले न दब सके और चाव से अपनी प्राथमिक शिक्षा को पूर्ण कर सके। इस हिंदी दिवस पर हमें इस बात को जोर-शोर से प्रचारित करना चाहिए ताकि अभिभावक अपने बच्चों पर बेवजह का दबाव बनाकर उन्हें मात्र इंग्लिश मीडियम में भेजने पर जोर न दें। हमें इस धारणा को तोड़ना होगा जिसमें फंसकर आज के अभिभावक अपने बच्चों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में भेजना पसंद करते हैं, भले ही वे शिक्षा की गुणवत्ता की परवाह किए बिना यह मानते हों कि अंग्रेजी भाषा की महारत से जीवन में सफलता सुनिश्चित है।

इंडिया गठबंधन के हर दल को ध्यान रखना होगा

विनीत नारायण

समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के पिछले कुछ अनुभव अच्छे नहीं रहे। इसलिए और भी सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि अखिलेश यादव में इतना बड़प्पन है कि वे अपनी कटु आलोचक "बुआजी" बहन मायावती से भी संबंध सुधारने में सद्भावना से पहल कर रहे हैं। यही नीति ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, शरद पवार व लालू यादव आदि को भी अपनानी होगी। तभी ये सब दल भारतीय लोकतंत्र को मज़बूत बना पायेंगे। जून 2024 के चुनाव परिणामों के बाद राहुल गांधी का ग्राफ काफ़ी बढ़ गया है। बेशक इसके लिए उन्होंने लम्बा संघर्ष किया और भारत के आधुनिक इतिहास में शायद सबसे लम्बी पदयात्रा की। जिसके दौरान उन्हें देशवासियों का हाल जानने और उन्हें समझने का अच्छा मौक़ा मिला। इस सबका परिणाम यह है कि वे संसद में आक्रामक तेवर अपनाए हुए हैं और तथ्यों के साथ सरकार को घेरते रहते हैं। किसी भी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए पक्ष और विपक्ष दोनों का मज़बूत होना ज़रूरी होता है। इसी से सत्ता का संतुलन बना रहता है और सत्ताधीशों की जनता के प्रति जवाबदेही संभव होती है। अन्यथा किसी भी लोकतंत्र को अधिनायकवाद में बदलने में देर नहीं लगती। आज राहुल गांधी विपक्ष के नेता भी हैं। जो कि भारतीय संवैधानिक व्यवस्था के अन्तर्गत एक अत्यंत महत्वपूर्ण पद है। जिसकी बात को सरकार हल्के में नहीं ले सकती। इंग्लैंड, जहां से हमने अपने मौजूदा लोकतंत्र का काफ़ी हिस्सा अपनाया है, वहाँ तो विपक्ष के नेता को 'शैडो प्राइम मिनिस्टर' के रूप में देखा जाता है। उसकी अपनी समानांतर कैबिनेट भी होती है, जो सरकार की नीतियों पर कड़ी नज़र रखती है। ये एक अच्छा मॉडल है जिसे अपने सहयोगी दलों के योग्य नेताओं को साथ लेकर राहुल गांधी को भी अपनाना चाहिए। आपसी सहयोग और समझदारी बढ़ाने के लिए, ये एक अच्छी पहल हो सकती है। राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाने में 'इंडिया गठबंधन के सभी सहयोगी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की बहुत बड़ी भूमिका रही है। उत्तर प्रदेश से 37 लोक सभा सीट जीत कर अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनने का आधार प्रदान किया। आज समाजवादी पार्टी भारत की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। ऐसे में अब राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी का ये नैतिक दायित्व है कि वे भी अखिलेश यादव जैसी उदारता दिखाएं जिसके कारण कांग्रेस को रायबरेली और अमेठी जैसी प्रतिष्ठा की सीटें जीतने का मौक़ा मिला। वरना उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन और जनाधार के मामले में बहुत पीछे जा चुकी थी। अब महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव हैं, जहां कांग्रेस सबसे बड़े दल की भूमिका में हैं। वहाँ उसे समाजवादी पार्टी को साथ लेकर चलना चाहिए और दोनों राज्यों के चुनावों में समाजवादी पार्टी को भी कुछ सीटों पर चुनाव लड़वाना चाहिए। महाराष्ट्र में तो समाजवादी पार्टी के दो विधायक अभी भी थे। हरियाणा में भी अगर कांग्रेस के सहयोग से उसके दो-तीन विधायक बन जाते हैं तो अखिलेश यादव को अपने दल को राष्ट्रीय दल बनाने का आधार मिलेगा। इससे दोनों के रिश्ते प्रगाढ़ होंगे और 'इंडिया गठबंधन भी मज़बूत होंगे। स्वाभाविक सी बात है कि कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं को इस रिश्ते से तक़लीफ़ होगी। क्योंकि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का उत्तर प्रदेश में वोट बैंक एक सा है। ये नेता पुराने ढर्रे पर चलकर समाजवादी पार्टी के जनाधार पर निगाह गढ़ाएँगे। पर ऐसी हरकत से दोनों दलों के आपसी संबंध बिगड़ेंगे और बहुत दूर तक साथ चलना मुश्किल होगा। इसलिए 'इंडिया गठबंधन के हर दल को ये ध्यान रखना होगा कि जिस राज्य में जिस दल का वर्चस्व है वो वहाँ नेतृत्व संभले पर, साथ ही अपने सहयोगी दलों को भी साथ खड़ा रखे। विशेषकर उन दलों को जिनका उन राज्यों में कुछ

जनाधार है। इससे गठबंधन के हर सदस्य दल को लाभ होगा। राहुल गांधी को ये सुनिश्चित करना होगा कि उनके सहयोगी दल 'इंडिया गठबंधन में अपने को उपेक्षित महसूस न करें। इंडिया गठबंधन में राहुल गांधी के बाद सबसे बड़ा क़द अखिलेश यादव का है। अखिलेश की शालीनता और उदारता का उनके विरोधी दलों के नेता भी सम्मान करते हैं। ऐसे में अखिलेश यादव को पूरा महत्व देकर राहुल गांधी अपनी ही नींव मज़बूत करेंगे। हालाँकि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस गठबंधन के पिछले कुछ अनुभव अच्छे नहीं रहे। इसलिए और भी सावधानी बरतनी होगी। क्योंकि अखिलेश यादव में इतना बड़प्पन है कि वे अपनी कटु आलोचक "बुआजी" बहन मायावती से भी संबंध सुधारने में सद्भावना से पहल कर रहे हैं। यही नीति ममता बनर्जी, उद्धव ठाकरे, शरद पवार व लालू यादव आदि को भी अपनानी होगी। तभी ये सब दल भारतीय लोकतंत्र को मज़बूत बना पायेंगे। यही बात भाजपा पर भी लागू होती है। 'सबका साथ-सबका विकास का नारा देकर भाजपा क्षेत्रीय दलों के साथ एनडीए गठबंधन चला रही है। पर भाजपा का पिछले दस वर्षों का ये इतिहास रहा है कि उसने प्रांतों की सरकार बनाने में जिन छोटे दलों का सहयोग लिया, कुछ समय बाद उन्हीं दलों को तोडऩे का काम भी किया। इससे उसकी नीयत पर इन दलों को संदेह बना रहता है। पिछले दो लोक सभा चुनावों में भाजपा अपने बूते पर केंद्र में सरकार बना पाई। पर 2024 के चुनाव परिणामों ने उसे मिलीजुली सरकार बनाने पर मजबूर कर दिया। पर अब फिर वही संकेत मिल रहे हैं कि भाजपा का नेतृत्व, तेलगुदेशम, जदयू व चिराग़ पासवान के दलों में सेंध लगाने की जुगत में हैं। अगर इस खबर में दम है तो ये भाजपा के हित में नहीं होगा। जिस तरह सर्वोच्च न्यायालय ने जाँच एजेंसियों के तौर-तरीक़ों पर लगाम कसनी शुरू की है, उससे तो यही लगता है कि डरा-धमका कर सहयोग लेने के दिन लद गए। भाजपा को अगर केंद्र में सरकार चलानी है या आगामी चुनावों में भी वो राज्यों की सरकारें बनाना चाहती है तो उसे ईमानदारी से "सबका साथ-सबका विकास" की नीति पर चलना होगा। हमारे लोकतंत्र का ये दुर्भाग्य है कि जीते हुए सांसद और विधायकों की प्रायः बोली लगाकर उन्हें खरीद लिया जाता है। इससे मतदाता ठगा हुआ महसूस करता है और लोकतंत्र की जड़ें भी कमज़ोर होती हैं। 1967 से हरियाणा में हुए दल-बदल के बाद से 'आयाराम-गयाराम का नारा चर्चित हुआ था। अनेक राजनैतिक चिंतकों और समाज सुधारकों ने लगातार इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने की माँग की है। पर कोई भी दल इस पर रोक लगाने को तैयार नहीं है। जबकि होना यह चाहिए कि संविधान में परिवर्तन करके ऐसा क़ानून बनाया जाए कि जब कोई उम्मीदवार, लोक सभा या विधान सभा का चुनाव जीतता है तो उसे उस लोक सभा या विधान सभा के पूरे कार्यकाल तक उसी दल में बने रहना होगा जिसके चुनाव चिन्ह पर वो जीत के आया है।

मेष राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज आप किसी काम के बारे में नये सिरे से सोच सकते हैं । मार्किट में किसी तरह का निवेश करने जा रहे हैं, तो पूरी तरह से रिसर्च के बाद ही निवेश करें। इससे आपको फायदा मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है। लंबे समय के बाद खुद को तरो-ताजा महसूस करेंगे । दूसरों का सहयोग करने पर आज सबके बीच आपकी छवी अच्छी बनी रहेगी।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। किसी जरुरी काम या मीटिंग की वजह से आपको ऑउट ऑफ स्टेशन या फिर विदेश यात्रा पर भी जाना पड़ सकता है। ऑफिस में आपको पहले की अपेक्षा ज्यादा काम मिल सकता है, लेकिन आप समय रहते सब कुछ अच्छे से निपटा लेंगे। इस राशि के जो लोग स्टेशनरी का बिजनेस करते हैं, उनके लिये दिन ज्यादा लाभकारी रहेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। जो लोग लंबे समय से नौकरी की तलाश में हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है। जो छात्र सरकारी नौकरी के लिये कॉम्पटीशन की तैयारी कर रहे हैं, उनको भी आज कोई अच्छी खबर मिल सकती है। आज आप जो भी काम शुरु करेंगे, उसे समय रहते पूरा कर लें। ऑफिस में आपको किसी बड़े आधिकारी या सहकर्मी का सहयोग मिल सकता है।

कर्क राशिः आज आपका दिन मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। शुरुआत में आपको लगेगा कि आपके काम पूरे हो रहे हैं, लेकिन शाम होते-होते कुछ काम पूरे होने से रह सकते है। आज कोई भी जरूरी काम करने से पहले घर के बड़ों या किसी अनुभवी व्यक्ति से राय जरुर ले लें। आपके दिमाग में खुद-ब-खुद नये-नये आडीयाज़ आते रहेंगे।

सिंह राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के जो छात्र विदेश में हॉयर एजुकेशन के लिये जाना चाहते हैं, वो किसी से इस बारे में राय ले सकते हैं। आज रुपये पैसों की लेन-देन में आपको थोड़ी सावधानी रखने की जरुरत है। किसी को पैसे उधार देने से पहले अच्छे से जांच-पड़ताल कर लें। बदलते मौसम में आपने स्वास्थ्य का ध्यान रखने की जरुरत है। व्यापार में आज अचानक आय के नये स्त्रोत मिलेंगे।

कन्या राशिः आज आपका दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम जरुर सफल होंगे। जो लोग लंबे समय से अपनी कन्या के लिये वर की तलाश कर रहे हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है, कन्या के लिये आपको सुयोग्य वर मिल सकता है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में भी आपको अच्छी खबर मिल सकती है।

तुला राशिः आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से आपकी मुलाकात हो सकती है। आने वाले समय में वह आपके लिये बहुत ही उपयोगी साबित होगा। जो लोग टूर एंड ट्रैवल के बिजनेस से जुडे हैं, उनके लिये दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस से जुड़े लोगों को कुछ बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं। आज अपनी वाणी पर संयम रखें। आपके मुंह से निकली हुयी एक गलत बात आपके रिश्तों को खराब कर सकती है। आज परिवार का माहौल ठीक रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन थोड़ा अच्छा रहेगा। आज आपको मन मुताबिक परिणाम मिलेंगे। अगर आप अपने बिजनेस को किसी दूसरी जगह पर शिफ्ट करना चाह रहे हैं, तो एक बार जगह अच्छे से देख लें। किसी के साथ पार्टनरशिप के लिये दिन अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा महिलाओं के लिये भी दिन बढ़िया रहेगा, बॉस और अन्य सहयोगियों के साथ आपके रिश्ते बेहतर रहेंगे।

धनु राशिः आज आपका दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज आपके मन में नये-नये विचार आयेंगे, जिन्हें आप अपनी दिनचर्या में उतारने में कामयाब रहेंगे। जो लोग राजनीति के क्षेत्र से जुड़े हैं, उनके लिये आज का दिन तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज आपकी पार्टी आपको कोई बड़ा पद भी दे सकती है । जनता के बीच आपका मान सम्मान भी बढ़ेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। किसी सरकारी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्रों को पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। आज स्वास्थ्य पर ध्यान देने की भी जरुरत है। आज किसी भी तरह की लापरवाही करने आपको बचना चाहिए। लवमेट्स के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है।

कुंभ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज घर और बाहर हर जगह आपकी तारीफ़ होगी। हर कोई आपसे अच्छा व्यवहार करेगा। आज समाज से जुडे कार्यों को करने के लिये दिन उत्तम है। आप किसी एनजीओ की शुरुआत या किसी सामजिक संगठन से जुड़ सकते हैं। आज ऑफिस में काम करने में आपका कोई सानी नहीं होगा। आपके जूनियर भी आपसे काम सिखना चाहेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन अच्छा बितेगा। कला और साहित्य से जुड़े लोगों को आज सफलता मिलेगी। आपको किसी बड़े ग्रुप से जुडऩे का मौका मिलेगा। आज ज्यादा से ज्यादा समय आप अपने घर वालों के साथ गुजार सकते हैं। आप सबके साथ कहीं घूमने जाने का प्लॉन भी बना सकते हैं। आज धार्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी ।

शब्द सामर्थ्य -176

(भागवत साहु)

बाएं से दाएं
1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे
1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. कठिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीड़ा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 175 का हल

दा	ढ़ी	■	की	■	खा	सो	आ	म
वा	■	त	म	न्ना	■	■	जा	■
न	जा	क	त	■	बा	अ	द	ब
ल	■	ली	■	वि	ला	प	■	हा
■	अ	फ	सा	ना	■	मा	हि	र
दा	ब	■	■	श	गु	न	■	■
न	■	उ	प	का	र	■	■	शि
व	■	त्स	■	र	■	त	क	ला
■	सा	व	न	■	गु	रु	वा	र

सूडोकु नवताल- 7187

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल -7186 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत ख़बरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

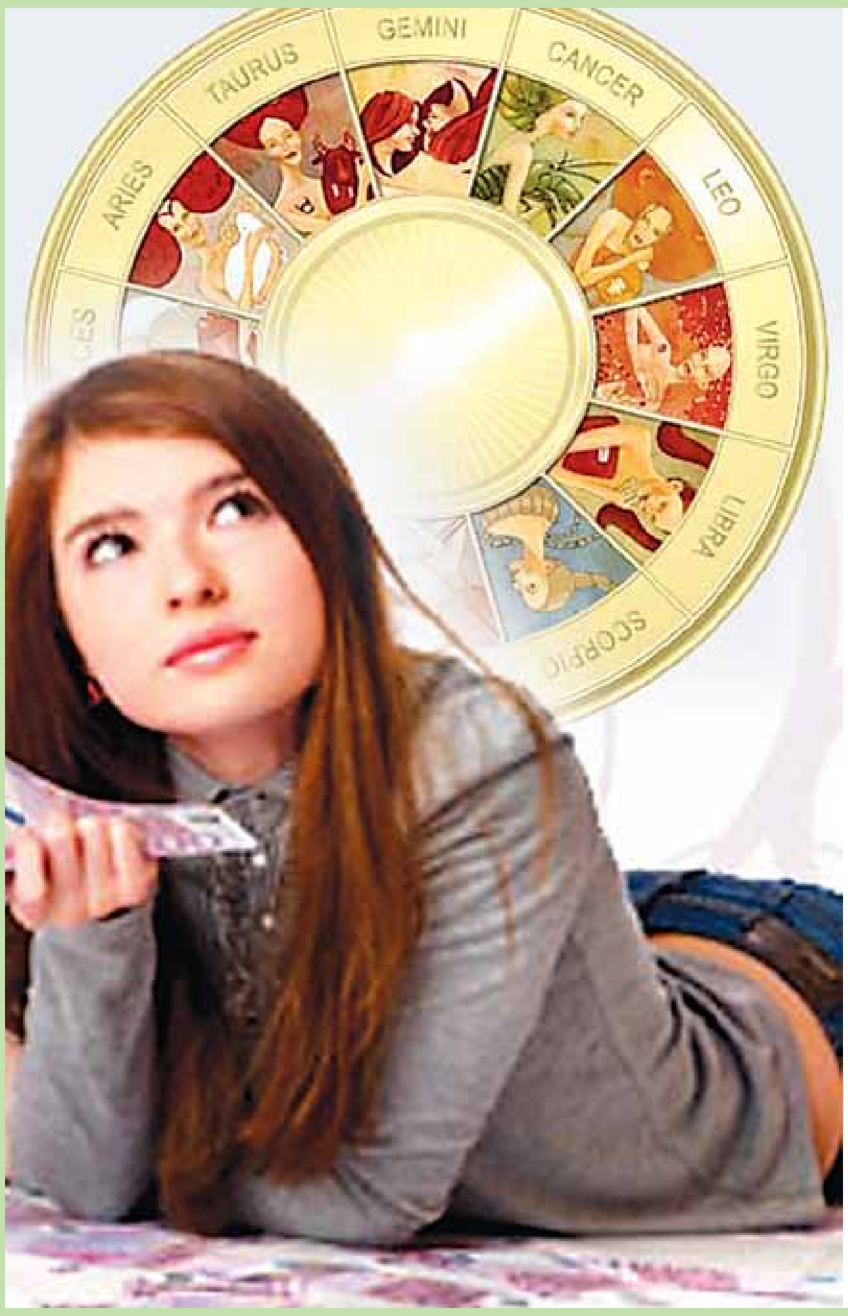

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षो से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयारी कर रहे शुभमन

नई दिल्ली भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। शुभमन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आप किसी भी अंतरराष्ट्रीय टीम को कम आंक सकते हैं। इसलिए हम बांग्लादेश के खिलाफ पूरी ताकत से खेलेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश ने जिस तरह की क्रिकेट खेली है, खासकर पाकिस्तान में उससे पता चलता है कि अब वह एक अच्छी टीम बन गयी है। इसलिए ये मुकाबला अच्छा होगा। स बल्लेबाज ने कहा है कि उन्होंने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी जिसके अनुभवों से उनकी बल्लेबाजी बेहतर हुई। इंग्लैंड की उसी सीरीज से उन्हें लाभ हुआ और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। शुभमन ने कहा कि तब इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट हारने के बाद हम पर दवाब था। उस समय कई अनुभवी खिलाड़ी खेलने के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उन्हें बेहतर खेलकर अपने को साबित करने का अवसर मिला। शुभमन ने कहा कि मैंने पहले कभी 5 टेस्ट मैच नहीं खेले थे, इसलिए उस सीरीज का अनुभव एक अच्छा अनुभव और रोमांचक था। शुभमन ने 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 91 रन की साहसिक पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था। वहीं इंग्लैंड दौरे, आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और 2022 और 2024 की शुरुआत के बीच दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान खराब प्रदर्शन के बाद उनपर सवाल उठने लगे थे। वहीं शुभमन ने इस साल 6 टेस्ट की 11 पारियों में 49.80 की औसत से 498 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक और 2 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है। गिल ने 25 टेस्ट मैचों की 46 पारियों में 35.52 की औसत से 1,492 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और 6 अर्द्धशतक शामिल हैं।

भारतीय टीम के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन पर हैं नाहिद ही नजरें

ढाका। बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की टेस्ट सीरीज में 2-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब नाहिद का लक्ष्य भारत के खिलाफ 19 सितंबर से होने वाली टेस्ट सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना है। इस तेज गेंदबाज से भारतीय बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा क्योंकि ये 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने के साथ ही अपनी लाइन व लैंथ भी बेहतर बनाये रखता है। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट मैच में नाहिद ने 44 रन देकर चार विकेट लिए थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिय में अपना एक वीडियो साझा कर कहा है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। इसमें उसने कहा, 'निश्चित रूप से हम भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। हमने अभ्यास शुरू कर दिया है। हम जितना अधिक अभ्यास करेंगे उतना अधिक हम मैच के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा, 'भारत की टीम हालांकि बहुत अच्छी है पर से भी सही है कि मैच के दिन जो टीम अच्छा खेलेगी जीत उसे ही मिलेगी। इस तेज गेंदबाज ने इस साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी की थी। पाक के खिलाफ भी उसका प्रदर्शन प्रभावी रहा था। नाहिद ने कहा, 'पाकिस्तान दौरे पर जाने से पहले मैंने कहा था कि मैं अपने देश के लिए कुछ हासिल करना चाहता हूं और मुझे खुशी है कि मुझसे जो उम्मीद की गई थी उसे मैंने पूरा किया। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा, यहां की पिच पर उछाल मिलने की उम्मीद है। ऐसे में जब राणा ने कहा कि वह फिर से 152 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने के लिए तैयार हैं। साथ ही कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। साथ ही कहा कि तेजी को लेकर आप हमेशा कुछ नहीं कह सकत हैं। यह लय पर निर्भर होता है।

भारत के लिए लकी रहा है चेपक मैदान

स्पिनर रहे हैं हावी

मुम्बई। भारत और बांग्लादेश के बीच 19 सितंबर से यहां के एम ए चिदंबरम (चेपक) स्टेडियम में सीरीज का पहला क्रिकेट टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत के साथ शुरुआत करना चाहेगी। वहीं मेहमान टीम बांग्लादेश भी पाकिस्तान में जीत से उत्साहित होकर बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। वहीं इस मैदान पर हुए मैचों पर नजर डालें तो भारतीय टीम के लिए लिए ये लकी रहा है। यहां भारतीय टीम अधिकतर मैच जीती है और उसे केवल सात मैचों में ही हार का सामना करना पड़ा है जबकि बांग्लादेश यहां अपना पहला मैच खेलेगी। भारतीय टीम ने चेन्नई में 34 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से 15 में उसे जीत मिली है। टीम इंडिया यहां केवल 7 मैच हारी है जबकि 11 मैच बराबरी पर रहे। भारत और ऑस्ट्रेलिया का एक टेस्ट मैच चेन्नई में टाई भी रहा है। चेन्नई में भारत का टेस्ट मैचों में जीत का औसत 44 फीसदी से ज्यादा है और ये अन्य मैदानों से कहीं ज्यादा है। ऐसे में स्पिनरों की सहायक इस पिच पर भारतीय टीम एक बार फिर बांग्लादेश को हराने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले मैच के लिए 3 स्पिन ऑलराउंडर, एक स्पेशलिस्ट स्पिनर, और तीन तेज गेंदबाजों को शामिल किया है। चेन्नई की पिच पर हमेशा ही स्पिनरों का दबदबा रहा है। यहां के मैदान पर 12 गेंदबाजों ने 15 या इससे अधिक विकेट लिए हैं, जिनमें से 11 स्पिनर रहे हैं। सबसे अधिक 48 विकेट यहां अनिल कुंबले के नाम हैं। वहीं बल्लेबाजों की बात करें तो वर्तमान क्रिकेटरों में विराट कोहली चेन्नई में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं/। उन्होंने यहां 4 मैच में 267 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक शामिल है। आर अश्विन के नाम यहां 229, रोहित शर्मा के 205 और केएल राहुल के नाम 199 रन हैं।

अब से हर दो साल में खेला जाएगा अंडर-19 महिला टी20 एशिया कप : जय शाह

कुआलालंपुर। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि अब से हर दो साल में महिला अंडर-19 टी20 एशिया कप खेला जाएगा। जय शाह के अनुसार इस नये टूर्नामेंट की शुरुआत से युवाओं को टी20 विश्वकप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। शाह की अध्यक्षता में एसीसी के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में इस टूर्नामेंट के आयोजन का फैसला हुआ। इस टूर्नामेंट को इसलिए शुरु किया जा रहा है जिससे कि एशिया की उभरती महिला क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिल सके। इससे ये आईसीसी टूर्नामेंट में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगी।इस फैसले से महिला क्रिकेट को भी आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी। शाह ने कहा, ''महिला अंडर-19 एशिया कप की शुरुआत एक बड़ी उपलब्धि है जो युवा महिला क्रिकेटरों को अपने कौशल को विकसित करने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक एक विश्वस्तर का मंच उपलब्ध करायेगी। यह नई शुरुआत एशिया में महिला क्रिकेट के भविष्य को बेहतर करने के लिए शुरु की गयी है और हमें उम्मीद है कि इससे एशिया में महिला क्रिकेट के विकास में तेजी आयेगी।

प्रतिभाओं की कमी के कारण पीछे जा रहा पाक क्रिकेट : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके खराब होते प्रदर्शन का कारण मैच विजेता खिलाड़ियों का टीम में नहीं होना है। गांगुली ने कहा कि पाक में अच्छी प्रतिभाएं नहीं उभर रही हैं, इसी कारण उसे मैच विजेता खिलाड़ी नहीं मिले रहे। उन्होंने कहा कि मैच विजेताओं को तैयार करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को हालात का सही तरीके से आंकलन करना होगा। गांगुली का ताजा बयान हाल में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर सामने आया है। पाक को अपने घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा आईसीसी टूर्नमेंटों में भी उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। एकदिवसीय विश्वकप में पाक टीम लीग चरण से ही बाहर हो गयी थी। इसके अलावा टी20 विश्व कप के दौरान भी वह शुरु में ही बाहर हो गयी। यहां तक कि उसे अमेरिका जैसे नई टीम ने तक हरा दिया। इसी को लेकर गांगुली ने कहा कि पाक में प्रतिभाएं नजर नहीं आ रही हैं जबकि एक समय पा पाक से जावेद मियांदाद, वसीम, वकार, सईद अनवर, मोहम्मद यूसुफ और यूनिस खान जैसे क्रिकेटर निकले हैं पर वर्तमान में टीम मैच नहीं जीत रही जबकि हर पीढ़ी को जीतने के लिए शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करना होता है। साथ ही कहा कि टीम को फिर से बेहतर बनाने के प्रयास पाक बोर्ड पीसीबी को ही करने होंगे।

व्यापार

शेयर बाजार की तेजी के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 300 अंक उछला, निफ्टी 25,000 के पार

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार से मजबूत संकेतों के बीच गुरुवार के कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी ने हरे निशान में शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 81,840 पर आ गया, जो 317 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50 ने 141 अंक की वृद्धि के साथ 25,059 पर कारोबार किया। वहीं एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच इंडेक्स में हैवी वेटेज रखने वाले टाटा मोटर्स और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में गिरावट के चलते भारतीय शेयर बाजार लगातार दो दिन की तेजी के बाद बुधवार को गिरकर बंद हुआ। सेंसेक्स 398.13 अंक की गिरावट लेकर 81,523.16 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 122.65 अंक की गिरावट लेकर 24,918.45 अंक पर बंद हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों ने गुरुवार को तेज़ी के साथ शुरुआत की, जो वॉल स्ट्रीट पर रात भर के मुनाफे के बाद आई। यह मुनाफा एक वोलटाइल सेशन के बाद हुआ, जिसे अमेरिका में आई नई इंफ्लेशन डेटा ने प्रभावित किया। जापान का निक्केई 225 शुरुआती ट्रेडिंग में 3 प्रतिशत उछला और ब्रॉड-बेस्ड टॉपिक्स में 2.48 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। दक्षिण कोरिया में कोस्पी 1.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ खुला, जबकि छोटे कैप वाला कोस्डाक 2.5 प्रतिशत ऊपर कारोबार करता दिखा। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी, एएसएक्स 200 में 0.6 प्रतिशत की बढ़त देखी गई, वहीं हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,194 पर ट्रेड करता दिखा। अमेरिका में रातभर व्यापक-आधारित एसएंडपी 500 में 1.07 प्रतिशत की बढ़त हुई, जबकि नेस्डेक कम्पोजिट ने 2.17 प्रतिशत की तेजी दिखाई। डाऊ जोंस इंडस्ट्रीयल इंडेक्स ने 0.31 प्रतिशत की मामूली बढ़त हासिल की।

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी भी हुई महंगी

सोने का भाव 71,950 रुपए, चांदी 84,700 के पार

नई दिल्ली। चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव सुधार देखा जाने लगा। सोने के वायदा भाव 71,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 84,700 रुपये के ऊपर कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई, जबकि सोना गिरावट के साथ खुला। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव सुधर गए। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 9 रुपये की गिरावट के साथ 71,918 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 20 रुपये की तेजी के साथ 71,947 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 28 रुपये की तेजी के साथ 84,478 रुपये पर खुला। इस समय यह 271 रुपये की तेजी के साथ 84,721 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। लेकिन बाद में इसके भाव तेज हो गए। चांदी के भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,540.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,542.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 0.70 डॉलर की तेजी के साथ 2,543.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.02 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.92 डॉलर था। इस समय यह 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 29.02 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

भारत में 2024 अल्काजार लॉन्च, शोरूम कीमत 14.99 लाख रुपये

नई दिल्ली। भारत में हुंडई मोटर इंडिया ने 2024 अल्काजार को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी बुकिंग पहले से ही शुरू कर दी है। इसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 14.99 लाख रुपये तय की गई है। नई अल्काजार 70 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स से लैस है। हुंडई अल्काजार कंपनी की 7 सीटर एसयूवी है। इसे दो इंजन ऑप्शन में लाया गया है। इतना ही नहीं गाड़ी के डोर के लॉक को आप अपने फोन या स्मार्टवॉच के जरिए अनलॉक कर सकते हैं। 2024 हुंडई अल्काजार को चार वैरिएंट एक्सीक्यूटिव, प्रेस्टीज, प्लेटिनम और सिग्नेचर में पेश किया गया है। इस एसयूवी में पहले की तरह 6-सीटर वैरिएंट के साथ-साथ 7-सीटर विकल्प को जारी रखा गया है। नई अल्काजार के फ्रंट में कंपनी के लोगो के साथ एक कनेक्टेड एलईडी डीआरएल सेटअप दिया गया है। इसके नीचे एक बड़ा ग्रिल दिया गया है, जिसके दोनों तरफ बॉक्सी एलईडी हैडलाइट्स दी गई हैं। गाड़ी के बंपर पर सिल्वर स्किड प्लेट दी गई है, जो इसके लुक को दमदार बना देती है। इसकी वजह से इसके रूफ रेल्स और बेहतर दिखाई देते हैं। इसमें 18-इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। नई अल्काजार में पुरानी की तुलना में टच-बेस्ड कंट्रोल पैनल के साथ डुअल जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल दिया गया है। इसमें इंफोटेनमेंट सिस्टम को इन-बिल्ट नेविगेशन के साथ लाया गया है। इसमें स्लीक एसी वेंट और क्रोम इंसर्ट के साथ ग्लॉस ब्लैक स्ट्रिप दिया गया है। केबिन के सभी कोनों पर सॉफ्ट टच पर मटेरियल के साथ लेदरेट अपहोल्स्ट्री दी गई है। नई अल्काजार में डुअल-स्क्रीन सेटअप दिया गया है, जिसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले शामिल है। इसमें डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, एंड्रॉयड ऑटो और ऐपल कारप्ले, वायरलेस फोन चार्जर, पैनोरमिक सनरूफ और क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। आगे की सीटों के लिए 8-वे पावर एडजस्टमेंट भी दी गई है।

रुपया डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच भारतीय रुपया गुरुवार को शुरुआती सत्र में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 83.97 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर स्थिर बना हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया। रुपया 83.97 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.97 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसा गिरकर 83.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.75 अंक पर रहा।

इलेक्ट्रिक कारों की कीमत 2 साल में पेट्रोल कारों के बराबर हो जाएगीः गडकरी

नई दिल्ली। राजमार्ग एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कई बार इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कीमत और इनकी बिक्री से जुड़े मुद्दे उठा चुके हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि इलेक्ट्रिक कारों की कीमत अगले 2 साल में पेट्रोल कारों के बराबर हो जाएगी। आम आदमी के लिए कीमत सस्ती होने से इनकी बिक्री में इजाफा होने लगेगा। नितिन गडकरी लंबे समय से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के पक्षधर रहे हैं। 64वें अक्मा वार्षिक सत्र में बोलते हुए, गडकरी ने इलेक्ट्रिक वाहनों को आम जनता के लिए किफायती बनाने के उपायों पर जोर दिया। गडकरी ने एक दशक पहले प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माताओं की ओर से उन्हें मिले संदेह के बारे में भी विचार व्यक्त किए। गडकरी ने कहा, "दस साल पहले, जब मैं ईवी के लिए जोर दे रहा था, तो भारत में ऑटोमोबाइल दिग्गजों ने मुझे गंभीरता से नहीं लिया। अब, वे मुझसे कहते हैं कि शायद वे मौका चूक गए हैं।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईवी पर उद्योग का नजरिया काफी बदल गया है। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री ने ऑटोमोबाइल कंपनियों से अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों के माध्यम से सड़क सुरक्षा पहलों में योगदान देने का भी आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सड़क सुरक्षा उनके मंत्रालय के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बनी हुई है, क्योंकि खराब तरीके से डिजाइन और इंजीनियर की गई सड़कें भारत में दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यह भी कहा कि अगर वित्त मंत्रालय या उद्योग मंत्रालय उन्हें लागू करने का फैसला करता है, तो वह इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए अतिरिक्त सब्सिडी या प्रोत्साहन देने के खिलाफ नहीं हैं। गडकरी ने कहा, "मैं इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए किसी भी अतिरिक्त सब्सिडी या प्रोत्साहन के खिलाफ नहीं हूं। अगर वित्त मंत्री और उद्योग मंत्री अधिक देना चाहते हैं, तो मुझे कोई समस्या नहीं है।" बता दें कि देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़वा देने के कई प्रयास किए जा रहे हैं. हालांकि, पेट्रोल गाड़ियों की तुलना में अधिक कीमत के वजह से लोगों के बीच इनकी स्वीकार्यता कम है। देश में ही इलेक्ट्रिक गाड़ियों और कंपोनेंट्स का निर्माण शुरू होने से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कीमत तो कम हुई है लेकिन अब भी इलेक्ट्रिक कारें काफी महंगी हैं।

स्त्री 2 बनी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी फिल्म

पठान को पछाड़ा अब एनिमल की बारी

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर रुकने का नाम नहीं ले रही है. फिल्म को रिलीज हुए तीन हफ्ते पूरे हो चुके हैं लेकिन इसका क्रेज अब भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है. यही वजह से ही चौथे वीकेंड पर भी इस हॉरर कॉमेडी ने ताबड़तोड़ कलेक्शन किया है. चलिए यहां जानते हैं 'स्त्री 2 ने रिलीज के चौथे रविवार यानी 25वें दिन कितना कलेक्शन किया है? 'स्त्री 2 सिनेमाघरों में अक्षय कुमार की खेल खेल में और जॉन अब्राहम की वेदा सहित कई साउथ फिल्में के साथ 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. जहां ये सभी फिल्में एक हफ्ते में ही बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई वहीं 'स्त्री 2 अकेले टिकट खिड़की पर राज कर रही है. इस फिल्म को दर्शकों से भरपूर प्यार मिल रहा है. ये हॉरर कॉमेडी साल 2024 की सबसे बड़ी हिट को बन ही चुकी है वहीं ये चौथी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन चुकी है. दिलचस्प बात ये है कि रिलीज के तीन हफ्ते धुआंधार कमाई करने के बाद अब 'स्त्री 2 ने चौथे वीकेंड पर भी गर्दा काट दिया है. फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो 'स्त्री 2 ने पहले हफ्ते में 307.80 करोड़ की कमाई की थी. दूसरे हफ्ते में फिल्म का कलेक्शन 145.80 करोड़ रुपये रहा. वहीं तीसरे हफ्ते 'स्त्री 2 का कारोबार 72.83 करोड़ रुपये रहा. वहीं तरण आदर्श द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक चौथे शनिवार 'स्त्री 2 ने 88.89 फीसदी के जंप के साथ 8.77 करोड़ का कलेक्शन किया और शनिवार तक यानी 24वें दिन तक फिल्म की कमाई 540.04 करोड़ रुपये हो गई थीं. वहीं अब फिल्म की रिलीज के चौथे रविवार यानी 25वें दिन की कमाई के कड़े आ गए हैं. सैतरण आदर्श द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक 'स्त्री 2 ने रिलीज के चौथे रविवार यानी 25वें दिन 11.40 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ 'स्त्री 2 की 25 दिनों की कुल कमाई अब 551.44 करोड़ रुपये हो गई है. 'स्त्री 2 ने 25 दिनों में 550 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर शाहरुख खान की पठान (543.09) का रिकॉर्ड ब्रेक कर दिया है. इसी के साथ 'स्त्री 2 जवान (640.25) और एनिमल (553.87) के बाद तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी बन चुकी है. अब इस हॉरर कॉमेडी के निशाने पर रणबीर कपूर की एनिमल है. 'स्त्री 2 ने कमाल कर दिखाया है. इस हॉरर कॉमेडी फिल्म ने रिलीज के 25वें दिन पठान, जवान, केजीएफ सहित सभी फिल्मों को धोबी पछाड़ दे दी और इसी के साथ 'स्त्री 2 25वें दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. 'स्त्री 2 ने इन मूवीज के 25वें दिन के कलेक्शन को धूल चटाई है. बता दें कि 'स्त्री 2 में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना ने अहम रोल प्ले किया है. फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है और ये दिनेश विजान के सुपरनैचुरल यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म है.

युध्रा से सिद्धांत चतुर्वेदी और मलविका मोहनन का नया पार्टी एंथम सोहनी लगदी रिलीज

अलग ही स्वैग में दिखी जोड़ी

तैयार हो जाइए वॉल्यूम बढ़ाने और डांस फ्लोर पर धमाल मचाने के लिए. सिद्धांत चतुर्वेदी और मालविका मोहनन स्टारर फिल्म युध्रा का मच अवेटेड क्लब एंथम सोहनी लगदी रिलीज हो गया है, और ये बिल्कुल वैसा ही है जैसा आपने सोचा था, सच कहा जाए तो उससे भी कहीं ज्यादा! सिद्धांत और मालविका की जबरदस्त जोड़ी से सजा ये ट्रैक सभी के लिए नया पार्टी सॉन्ग बनाने के लिए तैयार है. एक्शन से भरपूर ट्रेलर और एक्साइटिंग फर्स्ट सॉन्ग साथिया के बाद, सोहनी लगदी की रिलीज सभी के लिए कभी न भूलने वाले सफर का वादा करती है. अपनी कैंची बिट्स और जबरदस्त रिदम के साथ, यह ट्रैक किसी भी पार्टी या नाइट आउट के लिए हाई एनर्जी और व्हाइट परफेक्ट रखने के लिए बनाई गई है. बॉस्को-सीजर के कोरियोग्राफी में सिद्धांत और मालविका सोहनी लगदी में अपना बेस्ट देते नजर आ रहे हैं, एक ऐसी परफॉर्मेंस जो एनर्जी से भरपूर है. प्रेम और हरदीप द्वारा कंपोज और जाज धामी और सोना रेले द्वारा गाए गए इस गाने में एनर्जेटिक बीट्स और राज रंजोध के आकर्षक बोल हैं. यह आपको थिरकने और झूमने के लिए बनाया गया है, ताकि यह आपकी प्लेलिस्ट और डांस फ्लोर पर उभरकर नजर आए. इन टैलेंटेड आर्टिस्टों के बीच टीमवर्क परफेक्ट है, जो एनर्जी और आकर्षण का ऐसा मिश्रण तैयार करती है, जिसे नजरअंदाज करना मुश्किल है. चाहे आप दोस्तों के साथ नाइट आउट के लिए तैयार हों या अपना मूड लिफ्ट करना चाहते हों, सोहनी लगदी है परफेक्ट ट्रैक जो मूड सेट करेगा. तो इंतजार मत करो-बटन दबाओ, रिलैक्स हो जाओ, और रिदम का मजा लो. एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा निर्मित, युध्रा 20 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म में गजराज राव, राम कपूर, राज अर्जुन और राघव जुयाल सहित कई शानदार सहायक कलाकार भी हैं.

अक्षय कुमार ने किया हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला का एलान, खिलाड़ी का फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

क्षय कुमार अपने 57वां बर्थडे के मौके पर अपने फैंस को सुनहरा तोहफा दिया है. अक्षय कुमार ने अपनी नई हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल बंगला का एलान किया है. फिल्म भूत बंगला से सामने आया अक्षय कुमार का फर्स्ट लुक बड़ा ही मजेदार है. इसमें अक्षय कुमार के कंधे पर काली बिल्ली बैठी हुई है और अक्षय कुमार कटोरी में पड़े दूध पर अपनी लार टपका रहे हैं. अक्षय कुमार ने अपने बर्थडे पर फिल्म भूत बंगला का एलान कर लिखा है, जन्मदिन पर आपके प्यार के लिए धन्यवाद, साल दर साल, इस साल भूत बंगला के फर्स्ट लुक का सेलिब्रेशन मना रहा हूं, 14 साल बाद प्रियादर्शन के साथ दोबारा काम करने के उतावलेपन को मैं जाहिर नहीं कर सकता हूं, यह ड्रीम कोलेब्रेशन लंबे समय बाद लौटा है, आप लोगों के साथ यह सफर शेयर करने से खुद को नहीं रोक पाया हूं. जादू के लिए हमसे जुड़े रहिए. बता दें, अक्षय कुमार और प्रियादर्शन ने साल 2007 में फिल्म हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया से धमाका किया था. अक्षय कुमार के फिल्मी करियर में भूल भुलैया बड़ी हिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल है. इस फिल्म से अक्षय कुमार को साल 2007 का बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था. अब देखना होगा कि 14 साल बाद यह जोड़ी कैसे अपने दर्शकों को एंटरटेन करती है. बता दें, भूत बंगला को बालाजी टेलीफिल्म्स और कैप ऑफ गुड्स फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं. फिल्म के प्रोड्यूसर एकता कपूर और शोभा कपूर हैं. फिल्म साल 2025 में रिलीज होगी, लेकिन अभी इसकी रिलीज डेट और बाकी स्टारकास्ट का एलान नहीं किया गया है.

बॉलीवुड डेब्यू के 40 दिन के चंदेरी शेड्यूल के दौरान घर की बहुत याद आई : ध्वनि भानुशाली

प्लेबैक सिंगर ध्वनि भानुशाली ने चंदेरी में फिल्म की शूटिंग के दौरान की यादों को ताजा किया। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान उन्हें घर की बहुत याद आई थी। ध्वनि भानुशाली ने बताया कि उन्होंने चंदेरी में 40 दिनों तक शूटिंग की। सिंगर-एक्ट्रेस ने अपने को-स्टार्स और फिल्म टीम का जिक्र करते हुए कहा, यह पहली बार था जब मैं अपने माता-पिता से दूर रही। शूटिंग के दौरान मुझे घर की याद आती रही। लेकिन, शूटिंग के दौरान मुझे एक नया परिवार मिला। ध्वनि भानुशाली कहां शुरू कहां खतम में आशिम गुलाटी के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि उन्होंने एक्टिंग में आने का फैसला कैसे किया। उन्होंने कहा, लॉकडाउन के दौरान, मैंने एक्टिंग को आगे बढ़ाने का फैसला किया। मैंने बहुत मेहनत से तैयारी शुरू की, कोचों से सीखा और थिएटर में जुट गई। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के छात्रों से बहुत कीमती जानकारी हासिल की। अपने रोल और फिल्म के लिए कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जिससे उन्हें बहुत फायदा हुआ। तीन मिनट का डांस वीडियो बनाने और पूरी फिल्म पर काम करने के बीच का अंतर बहुत महत्वपूर्ण है। मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित कर दिया और यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किया कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं।

मौनी रॉय के लेटेस्ट लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

फोटोज शेयर होते ही हो गईं वायरल

बी-टाउन की खूबसूरत अभिनेत्री मौनी रॉय आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस के बीच बवाल मचाती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही बवाल मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट स्टनिंग लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर का आउटफिट पहना हुआ है और उसके साथ स्टाइलिश लुक में रेड कलर की स्कर्ट कैरी की है। एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो उनके चाहने वाले उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। मौनी रॉय की इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं लोग हॉट एंड गॉर्जियस, सो ब्यूटिफुल और ग्लैमरस जैसे कॉमेंट्स कर रहे हैं। मौनी रॉय को फोटोज शेयर किए कुछ ही घंटे हुए हैं और अब तक 1 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने फोटोज पर लाइक्स कर दिए हैं।

बॉक्स ऑफिस पर चौथे दिन भी थलापति विजय की गोट ने मचाई धूम, 300 करोड़ का आंकडा छूने के करीब फिल्म

वेंकट प्रभु द्वारा निर्देशित साइंस-फिक्शन एक्शन ड्रामा द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम, जिसे गोट के नाम से भी जाना जाता है, दर्शकों द्वारा खूब पसंद की जा रही है. थलापति विजय के लीड रोल वाली यह इस फिल्म में मीनाक्षी चौधरी, स्नेहा, प्रशांत, प्रभु देवा, लैला, अजमल, जयराम, मोहन, पार्वती नायर, वैभव, योगी बाबू और प्रेमजी जैसे सितारे भी शामिल हैं. युवान शंकर राजा के संगीत के साथ, इसे तमिल, तेलुगु और हिंदी भाषा में रिलीज किया गया है. फिल्म ने अपनी रिलीज के तीन दिनों के भीतर ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. आइए जानते हैं फिल्म के पहले वीकेंड का कलेक्शन. अपनी रिलीज के बाद से, गोट ने बॉक्स ऑफिस पर कब्जा जमा कर रखा हुआ है. सिर्फ चार दिनों के अंदर फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 137.2 करोड़ रुपये कमाए हैं. फिल्म जल्द ही 150 करोड़ का आंकड़ा पार कर जाएगी. इंडस्ट्री ट्रेकर के अनुसार चौथे दिन गोट ने कलेक्शन में थोड़ी बढ़त देखी. भारतीय बॉक्स ऑफिस पर गोट ने 34.2 करोड़ रुपये कमाए. वहीं वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने चार दिनों में 285 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. गोट जल्द ही 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगी, जिसके बाद ये सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल ओपनर और साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बन जाएगी. फिलहाल 20 सितंबर तक गोट के सामने कोई फिल्म नहीं है तब तक बॉक्स ऑफिस पर फिल्म का कब्जा है. कुछ दिनों में इसे द बकिंघम मर्डर्स और युध्रा का सामना करना पड़ेगा. देखना दिलचस्प होगा कि विजय पिछली हिट लियो के कलेक्शन को मात दे पाएगी या नहीं.